हरिभूमि

शौर्य भूमि

मंडला| अंजिनया | भुआबिछिया | बम्हनीबंजर | नैनपुर | निवास | बीजाडांडी

5

जबलपुर, शुक्रवार 25 अक्टूबर 2024

login : www.haribhoomi.com

खबर संक्षेप

माँ नर्मदा नदी से मण्डला जिले को पूरे विश्व में पहचान मिली है-मंत्री श्रीमती संपतिया उइके

मण्डला। प्रदेश शासन की लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी मंत्री श्रीमती संपतिया उइके ने कहा कि माँ नर्मदा नदी मंडला जिले के लिए जीवन दायिनी एवं धार्मिक नदी है। नर्मदा नदी के कारण मंडला जिले को पूरे विश्व में पहचान मिली है। जिला प्रशासन द्वारा नर्मदा नदी के जल को साफ व स्वच्छ तथा घाटों की साफ-सफाई रखने के लिए नमामि नर्मदा सेवा अभियान प्रारंभ किया गया है। धर्म प्रेमियों के द्वारा आग्रह किया गया है कि मंडला जिले में नर्मदा जी की महा आरती प्रतिदिन की जाएगी, जैसा कि प्रयागराज, अयोध्या, उज्जैन जैसे इत्यादि पवित्र नगरों में किया जा रहा है। मंत्री श्रीमती संपतिया उइके गुरूवार को जिला योजना भवन में आयोजित बैठक में माँ नर्मदा जी की महाआरती करने की तैयारियों की समीक्षा कर रही थी। इस अवसर पर नगर पालिका अध्यक्ष श्री विनोद कछवाहा, सांसद प्रतिनिधि जयदत्त झा, कलेक्टर श्री सोमेश मिश्रा, पुलिस अधीक्षक श्री रजत सकलेचा, अपर कलेक्टर श्री राजेन्द्र कुमार सिंह, सहायक कलेक्टर श्री आकिप खान, संयुक्त कलेक्टर श्री ऋषभ जैन, मुख्य नगरपालिका अधिकारी मंडला गजानंद नाफड़े सहित नगरपालिका के पार्षद, अधिकारी, कर्मचारी, शिक्षक, शिक्षिकाएं, छात्र-छात्राएं और पत्रकारगण मौजूद थे। मंत्री श्रीमती संपतिया उइके ने कहा कि मंडला जिले के धर्म प्रेमियों की आग्रह पर देवउठनी एकादशी के दिन से माँ नर्मदा जी की महाआरती प्रारंभ की जाएगी। इस महाआरती में जिले के सभी श्रृद्धालु व नागरिकगण शामिल होंगे। उन्होंने बताया कि महाआरती रपटाघाट में प्रतिदिन नियमित रूप से आयोजित की जाएगी। महाआरती का समय सर्दी के मौसम में सायंकाल 6:30 बजे और ग्रीष्मकाल में सायंकाल 7:30 बजे होगी। उन्होंने बताया कि माँ नर्मदा नदी के घाटों का सौन्दर्यीकरण एवं विभिन्न निर्माण कार्यों के लिए 100 करोड़ की लागत से नर्मदा लोक का निर्माण किया जाएगा। कलेक्टर सोमेश मिश्रा ने बताया कि रपटाघाट में महाआरती का आयोजन 12 नवंबर से नियमित रूप से की जाएगी। इसके लिए घाटों में साफ-सफाई और पेंटिंग कराई जाएगी। महाआरती के आयोजन के लिए ट्रस्ट का निर्माण किया जाएगा। उन्होंने कहा कि नर्मदा नदी में नहाने वाले व्यक्ति व श्रद्धालुओं को साबुन का उपयोग न करने, कपड़े न धोने तथा पूजन व दूषित सामग्री विसर्जन न करने की समझाईश दी जाएगी। सुरक्षा, पार्किंग एवं प्रकाश का प्रबंध किया जाएगा। आयोजित कार्यक्रम का संचालन अखिलेश उपाध्याय ने किया।

प्रोजेक्ट ज्ञानसूत्र विद्यार्थियों के लिए शिक्षा के क्षेत्र में क्रांति लाएगी

विषम परिस्थितियों से निपटने ज्ञानार्जन जरूरी

*** मंत्री श्रीमती उइके ने किया प्रोजेक्ट ज्ञानसूत्र का शुभारंभ।**

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला

प्रदेश शासन की लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी मंत्री श्रीमती संपतिया उइके ने कहा कि जीवन में सफलता प्राप्त करने के लिए हमें ज्ञानार्जन करना जरूरी है। इससे हम जीवन की विषम परिस्थितियों में महत्वपूर्ण निर्णय सरलता से ले सकते हैं। हम प्रतियोगिता परीक्षाओं में उत्तीर्ण होकर शासकीय सेवाओं में उचित स्थान प्राप्त कर सकेंगे। मंत्री श्रीमती संपतिया उइके गुरूवार को जिला योजना भवन में प्रोजेक्ट ज्ञान सूत्र आओ बढ़ाएं अपना ज्ञान के शुभारंभ के अवसर पर आयोजित कार्यशाला को संबोधित कर रही थी। इस अवसर पर नगर पालिका अध्यक्ष श्री विनोद कछवाहा, सांसद प्रतिनिधि श्री जयदत्त झा, कलेक्टर श्री सोमेश मिश्रा, पुलिस अधीक्षक श्री रजत सकलेचा, अपर कलेक्टर श्री राजेन्द्र कुमार सिंह, सहायक कलेक्टर श्री आकिप खान, संयुक्त कलेक्टर श्री ऋषभ जैन, मुख्य नगरपालिका अधिकारी मंडला श्री गजानंद नाफड़े सहित नगरपालिका के पार्षद, अधिकारी, कर्मचारी, शिक्षक, शिक्षिकाएं, छात्र-छात्राएं और पत्रकारगण मौजूद थे। मंत्री श्रीमती संपतिया उइके ने माँ सरस्वती की प्रतिमा पर दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया।

मंत्री श्रीमती संपतिया उइके ने जिला प्रशासन द्वारा प्रारंभ किए गए इस अभिनव पहल की प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि जिला प्रशासन द्वारा प्रारंभ किए गए इस अभिनव पहल से जिले में शिक्षा के क्षेत्र में क्रांति आएगी। जिले के छात्र-छात्राएं प्रोजेक्ट ज्ञानसूत्र के माध्यम से अपने विषय ज्ञान के साथ-साथ सामान्य ज्ञान का अध्ययन करेंगे। प्रोजेक्ट ज्ञानसूत्र से मंडला जिला शिक्षा के क्षेत्र में अग्रणी बनेगा। मंत्री श्रीमती संपतिया उइके ने प्रोजेक्ट ज्ञानसूत्र में सभी स्कूलों के छात्र-छात्राओं को सम्मिलित करने के लिए निर्देशित किया। उन्होंने कहा कि छात्र-छात्राएं प्रोजेक्ट ज्ञानसूत्र के माध्यम से कक्षा के विषयों के अध्ययन के साथ-साथ देश-दुनिया के विषयों के बारे में भी जानकारी प्राप्त करेंगे। प्रोजेक्ट ज्ञानसूत्र छात्र-छात्राओं के लिए कोचिंग संस्थानों से अच्छा प्रयास है। उन्होंने कहा कि प्रोजेक्ट ज्ञानसूत्र के माध्यम से छात्र-छात्राओं को प्रतिदिन प्रार्थना के समय प्रश्न पूछे जाएंगे और सप्ताह के अंत में उन्हें पुरूस्कृत किया जाएगा।

कलेक्टर श्री सोमेश मिश्रा ने बताया कि जिला प्रशासन द्वारा विद्यार्थियों के लिए शिक्षा के क्षेत्र में वृद्धि के लिए प्रोजेक्ट ज्ञानसूत्र आओ बढ़ाएं अपना ज्ञान अभियान प्रारंभ किया गया है। इस अभियान के तहत विद्यार्थियों को भौतिक विज्ञान, रसायन विज्ञान, राजनीति, भूगोल, चिकित्सा, अर्थशास्त्र, इतिहास, समसमायिक विषय, शासन की योजनाओं सहित विभिन्न विषयों के बारे में सामान्य जानकारी दी जाएगी। इस अभियान के तहत खेल जगत की खबरों, समाचार पत्रों की खबरों, पत्र-पत्रिकाओं की खबरों और सुविचार के संबंध में बताया जाएगा। उन्होंने बताया कि प्रोजेक्ट ज्ञानसूत्र अभियान से भारत सरकार की नई शिक्षा नीति/सामाजिक विकास की जानकारी विकसित की जाएगी। प्रोजेक्ट ज्ञानसूत्र के माध्यम से विद्यार्थियों में व्यक्तित्व कौशल का विकास, लेखन कौशल, निबंध-कहानी, समाचार, वाद-विवाद, साक्षात्कार, कविता, प्रश्नोतरी, सामग्री बनाना, लेख लिखना इत्यादि के बारे में बताया जाएगा। प्रोजेक्ट ज्ञानसूत्र के माध्यम से विद्यार्थियों में रंगोली, मेहंदी सहित विभिन्न कलाओं को विकसित करने के बारे में जानकारी दी जाएगी।

ज्ञानसूत्र पुस्तिका का विमोचन किया गया

प्रदेश शासन की लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी मंत्री श्रीमती संपतिया उइके ने गुरूवार को जिला योजना भवन में आयोजित प्रोजेक्ट ज्ञानसूत्र आओ बढ़ाएं अपना ज्ञान अभियान के शुभारंभ के अवसर पर प्रोजेक्ट ज्ञानसूत्र पुस्तिका का विमोचन किया।

प्रदेश शासन की लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी मंत्री श्रीमती संपतिया उइके ने गुरूवार को जिला योजना भवन में आयोजित प्रोजेक्ट ज्ञानसूत्र आओ बढ़ाएं अपना ज्ञान अभियान के शुभारंभ के अवसर पर पूछे गए प्रश्नों का सही-सही उत्तर देने वाले छात्र-छात्राओं को पेन-कॉपी देकर सम्मानित किया। आयोजित कार्यक्रम में कलेक्टर सोमेश मिश्रा के द्वारा छात्र-छात्राओं से सामान्य ज्ञान के प्रश्न पूछे गए जिसका छात्र-छात्राओं उमाशंकर, सूर्यान्त कुमार, लकीता मरावी, विनिज पंद्रे, पीयुष पटेल, खुशी वरकड़े ने सही-सही उत्तर दिए। आयोजित कार्यक्रम में सही उत्तर देने वाले छात्र-छात्राओं को सम्मानित किया गया।

दीपावली पर मण्डला जिले के कुम्हारों को हाट बाजारों में मिलेगी टेक्स में छूट

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला

कलेक्टर सोमेश मिश्रा ने आगामी दीपावली के त्यौहार में मिट्टी के बने दीपक, बर्तन, गमले और अन्य उपकरणों को प्रोत्साहित करने के निर्देश दिए हैं। दीपावली के अवसर पर कुम्हारों को नगरपालिका/नगर पंचायत/ग्राम पंचायतों के हाट बाजारों में मिट्टी के दीपक विक्रय में छूट देने को कहा है। उन्होंने कहा कि हाट बाजारों में मिट्टी के दीपक विक्रय करने वाले कुम्हारों से किसी भी प्रकार का कर नहीं लिया जाएगा। कलेक्टर सोमेश मिश्रा गुरूवार को बलराम चक्रवर्ती और धानेश्वर चक्रवर्ती के निज निवास में जाकर उनसे सौजन्य भेंट की और उनके बच्चों के साथ खुशियाँ मनाई। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक श्री रजत सकलेचा, मुख्य नगरपालिका अधिकारी गजानंद नाफड़े सहित वि भा गी य अधिकारी मौजूद थे। कलेक्टर सोमेश मिश्रा ने कहा कि आगामी दीपावली पर्व के अवसर पर जिले के नागरिक मिट्टी के बने दीपक और मिट्टी से बने बर्तनों का उपयोग करें। उन्होंने बताया कि मिट्टी के बने बर्तन का उपयोग करना स्वास्थ्य के लिए लाभदायक हैं। कलेक्टर सोमेश मिश्रा ने कहा कि कुम्हारों के द्वारा बनाए गए दीपक से हम भगवान की पूजा-अर्चना करते हैं और अपने घरों को रौशन करते हैं। इसलिए हमारे जीवन की दिनचर्या में कुम्हारों के दीपकों का अत्यधिक महत्व है। उन्होंने कहा कि जिले के कुम्हारों की स्थिति को सुधारने के लिए उन्हें शासन की योजनाओं से लाभान्वित किया जाएगा। जिससे कुम्हार अपने व्यवसाय को आगे बढ़ा सकें। कलेक्टर सोमेश मिश्रा ने इस अवसर पर कुम्हारों के चाक का संचालन कर मिट्टी के बर्तन भी बनाएं। कुम्हार बलराम चक्रवर्ती ने कलेक्टर सोमेश मिश्रा और पुलिस अधीक्षक रजत सकलेचा को मिट्टी से बने मुकुट भेंट किए।

सीएम हेल्पलाईन के प्रकरणों का संतुष्टिपूर्वक निराकरण कराएं

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला

संभागीय कमिश्नर अभय वर्मा ने वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से संभाग के सभी जिला कलेक्टर्स के साथ महत्वपूर्ण विषय पर चर्चा कर आवश्यक निर्देश दिये। इस दौरान उन्होंने कहा कि 15 नवम्बर से 18 नवम्बर 2024 तक महाकौशल विज्ञान परिषद एवं ट्रिपलआईटी डीएम द्वारा मध्यप्रदेश विज्ञान एवं औद्योगिक परिषद के सहयोग से महाकौशल विज्ञान मेला एवं आरोग्य एक्सपो का आयोजन किया जा रहा है। उन्होंने सभी कलेक्टर्स को विज्ञान मेले में प्रदर्शनी लगाने के निर्देश दिए। वीसी में एनआईसी कक्ष मण्डला से कलेक्टर सोमेश मिश्रा, सीईओ जिला पंचायत श्रेयांश कूमट, अपर कलेक्टर राजेन्द्र कुमार सिंह सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

जबलपुर कमिश्नर श्री वर्मा ने ''सीएम हेल्पलाईन'' और समाधान कार्यक्रम की विस्तृत समीक्षा करते हुए प्रकरणों का संतुष्टिपूर्वक निराकरण करने के निर्देश दिए। उन्होंने सभी कलेक्टर्स को निर्देशित किया कि जिले की रैंकिंग को बेहतर करें। सीएम हेल्पलाईन में कटनी, पांढुर्ना और मंडला के ए ग्रेड रैंकिंग में आने पर प्रशंसा की। इस दौरान श्री वर्मा ने राजस्व न्यायालयों में लंबित प्रकरणों की समीक्षा भी की और कहा कि सभी एसडीएम व तहसीलदार अपने-अपने कोर्ट में लंबित प्रकरणों का निराकरण सुनिश्चित करें। कमिश्नर श्री वर्मा ने कहा कि विभागीय जांच, लोकायुक्त तथा शिकायतों से संबंधित प्रकरणों के प्रतिवेदन समय सीमा में भेजना सुनिश्चित करें। भू-अर्जन के प्रकरणों का निराकरण प्राथमिकता से करें क्योंकि इससे विकास कार्यों को गति मिलती है। उन्होंने कहा कि संभाग के जिलों में खाद-बीज की उपलब्धता के संबंध में यदि कोई समस्या है तो तत्काल अवगत करायें ताकि इस दिशा में उचित कार्यवाही की जा सके। उन्होंने संयुक्त संचालक शिक्षा से कहा कि छात्रवृत्ति वितरण करने में लापरवाही करने वाले प्राचार्य व संस्था प्रमुखों पर कार्यवाही सुनिश्चित करें। बैठक में उन्होंने उद्यानिकी विभाग के प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उद्यम उन्नयन योजना के संबंध में भी चर्चा करते हुए आवश्यक निर्देश दिए।

खनिज विभाग द्वारा अवैध उत्खनन में शामिल ट्रेक्टर को थाना के सुपुर्द किया गया

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला

कलेक्टर सोमेश मिश्रा के निर्देशन में जिले में खनिज विभाग मण्डला द्वारा खनिजों के अवैध उत्खनन, अवैध परिवहन तथा अवैध भण्डारण के विरूद्ध सतत रूप से कार्यवाहियों की जा रही है। जिला खनिज अधिकारी ने बताया कि जिसके तहत बुधवार को विकासखंड घुघरी और बिछिया क्षेत्र अन्तर्गत खनिज मुरूम एवं गिट्टी का अवैध परिवहन/भण्डारण में संलिप्त 2 वाहन न्यू वाहन पावर ट्रेक्टर एवं न्यू वाहन सोनालिका ट्रेक्टर को खनिज विभाग के द्वारा जप्त किया गया। उन्होंने बताया कि अवैध उत्खनन में संलिप्त वाहन को जप्त कर शासकीय अभिरक्षा में संबंधित थाना प्रभारी, थाना घुघरी, थाना प्रभारी, थाना बिछिया की सुपुर्दगी में दिया गया। उक्त वाहन के विरूद्ध म०प्र० खनिज (अवैध खनन, परिवहन तथा भण्डारण का निवारण) नियम 2022 के प्रावधानों के तहत प्रकरण दर्ज कर कलेक्टर न्यायालय प्रेषित किया जा रहा है। उक्त कार्यवाही सहायक खनि अधिकारी, खनि निरीक्षक, एवं खनिज अमले द्वारा की गई।

अनदेखी | **फरारी में चल रहे आरोपी का अवकाश हुआ स्वीकृत।**

गबन के दोषियों की फरारी, बेल-पदोन्नति का खेल

*** शिक्षा के मंदिर में लाखों का घोटाला।**

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला

मण्डला जिला शिक्षा विभाग के अजीब कारनामे गबन मामले में दोषी की फरारी के दौरान विकासखंड शिक्षा अधिकारी की अवकाश अर्जी उन्हीं अधिकारी ने स्वीकार कर ली, जिनकी खुद उन्होंने एफआईआर करवाई, इतना ही नहीं इसी बीच इन आरोपी बीईओ को उच्च श्रेणी प्राचार्य पद में आसीन भी कर दिया गया।

उक्त सभी घटनाक्रम से लगता है कि जिले के विभागीय आलाधिकारी चाहते ही हैं कि कर्मचारी शासकीय व जनता के हित की राशि में सेंधमारी करते रहें फिर हमें जांच करने की जिम्मेदारी मिले और फिर हम रुपयों की छत्रछाया में छुपकर व शासन प्रशासन की आंखों में धूल झोंककर दोषियों को बेदाग बचाने में सफल हो सकें।

ज्ञात हो कि पाँच माह पूर्व बीईओ कार्यालय निवास में लगभग 50 लाख के घोटाले को अंजाम दिया गया है, जिसमें तत्कालीन विकासखंड शिक्षा अधिकारी श्रीमती शोभा चेटटी (अय्यर) सहित दो पूर्व बीईओ व आठ अन्य कर्मचारियों पर निवास थाना में नामजद एफआईआर दर्ज है, प्रशासन द्वारा मामले के दोषियों को ढूंढ़कर तह तक पहुँचने को छोड़कर किसी भी आरोपी का चिकित्सा अवकाश स्वीकृत करना कहां से न्याय संगत है, इस गबन मामले में जिले से लेकर संभाग तथा प्रदेश तक के अधिकारी और नेता मौन धारण किए हुए हैं।

प्रशासनिक कोताही की हद तो तब हो गई जब फरारी में चल रहे आरोपी की संभागीय उपायुक्त कार्यालय द्वारा अवकाश स्वीकृत कर दिया क्या यह भी शासन-प्रशासन में बैठे जिम्मेदार लोगों को दिखाई नहीं देता या विभाग व न्यायिक जिम्मेदार जानबूझकर भ्रष्टाचारियों पर मेहरबानी बनाये हुये हैं।

यहाँ यह बात भी गौर करने वाली है कि जब 1 मई 2024 से बीईओ कार्यालय में जांच प्रारंभ की गई और मामला दर्ज होने तक इन्हें ही बीईओ बनाए रखा गया, जबकि संबंधित दोषी दस्तावेजी सबूतों से छेड़छाड़ न कर सके इस नजरिए से इनका कार्यालय में प्रवेश नहीं होने देना चाहिये था, वहीं 1 सितंबर 2024 से मामला दर्ज होने बाद 27 सितंबर को अग्रिम जमानत होने तक ना तो यह विद्यालय में उपस्थिति रही और ना ही विकासखंड शिक्षा अधिकारी कार्यालय में, फिर कैसे इनका चिकित्सा अवकाश स्वीकृत किया गया, उक्त अगर बीमार रही तब इनका अवकाश आवेदन एसी. कार्यालय तक कैसे पहुंचा और अगर स्वयं आवेदन लेकर पहुंची तो पुलिस ने इनको गिरफ्तार क्यों नहीं किया।

क्या यह भी प्रशासन के साथ सरासर धोखाधड़ी करने का अपराध नहीं है कि 30 सितंबर को इनके द्वारा सहायक आयुक्त कार्यालय में उपस्थिति दी गई 9 अक्टूबर को इनके द्वारा कन्या हायर सेकेंडरी स्कूल में उपस्थिति दी गई और यह भी कि एफआईआर होने और बेल मिलने के बाद बीईओ कार्यालय निवास के प्रभारी बीईओ की अनुपस्थिति में ये कार्यालय में क्या करतीं रहीं यह और भी गंभीर जाँच का विषय है।

हर घर नल जल जीवन मिशन योजना चढ़ी भ्रष्टाचार की भेंट

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला/अंजनिया

केंद्र सरकार की अति महत्वपूर्ण हर घर नल जल जीवन योजना जिसके तहत ग्रामीण क्षेत्रों के प्रत्येक हर घर में शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराना है, किन्तु अधिकारियों एवं ठेकेदारों की सांठ-गांठ ने इस योजना पर बट्टा लगा दिया है। धरातल पर यह योजना धरी की धरी रह गई और करोड़ों रूपए का बंदरबांट कर दिया गया।

ऐसा ही एक मामला पीएचई मंत्री संपतिया उइके के मण्डला जिले की घुघरी जनपद पंचायत अन्तर्गत ग्राम पंचायत छिवलाटोला जो बैगा बाहुल्य है, में देखने को मिला जहां इसके विस्तार के लिए लगभग 2.50 करोड़ रुपए स्वीकृत हुए है किन्तु ठेकेदार ने आधा अधूरा कार्य कर छोड़ दिया है जिसका खामियाजा इस गांव के बैगा आदिवासी परिवार शुद्ध पेयजल को तरस रहे हैं।

इनका कहना है:-

ग्राम के सरपंच ने बताया कि पोषक ग्राम खुडिया में एक करोड़ चौदह लाख एवं छिवलाटोला में एक करोड़ पेंतीस लाख रुपए के निर्माण व विस्तार से हर घर नल जल आपूर्ति करना था, किंतु ठेकेदार द्वारा कुछेक जगह मात्र पाइप लाइन बिछा कर राशि का बंदरबांट कर दिया,इस संबंध में कई बार उच्चाधिकारियों को अवगत कराया है किन्तु कोई कार्यवाही नहीं हुई। संबंधित विभाग के अधिकारी का पक्ष जानना चाहा किन्तु संपर्क नहीं हो पाया

सरपंच-ग्राम पंचायत झिवलाटोला
दुर्गा प्रसाद धूमकेती

खबर संक्षेप

भागवत कथा का चौथा दिनः कृष्ण जन्मोत्सव मनाया, भजनों पर झूमे श्रद्धालु

गाडरवारा। समीपस्थ ग्राम नरवारा में कौरव परिवार द्वारा संगीतमय श्रीमद् भागवत महापुराण का आयोजन कराया जा रहा है।। चल रहे कथा के चौथे दिवस पंडित बीरेन्द शास्त्री ने महायज्ञ के चौथे दिवस श्रद्धालु कृष्ण रंग में रंगे नजर आए। कृष्ण जन्मोत्सव आनन्द और धूम-धाम से मनाया गया। इस दौरान भगवान कृष्ण झाकियों ने सभी का मन मोह लिया। वही कथा प्रसंग के दौरान श्रद्धालु नंदलाला प्रकट भये आज, बिरज में लडुआ बंटे, नन्द के घर आनन्द भयो, जय कन्हैया लाल के भजनों से पंडाल गूज उठा। वही इस दौरान महाराजश्री ने कहा कि भगवान अपने भक्तों के साथ सदा हर पल खड़े रहते हैं. वे भक्तों के हाथों से दी प्रेम और भाव के साथ दी गई वास्तु उसी तरह ग्रहण करते हैं। जिस तरह से उन्होंने द्रौपदी का पत्र और गजेंद्र का पुष्प ग्रहण किया. भगवान ने काल रुपी मगर से,भक्त गजराज की रक्षा की तो द्रौपदी के पुकार पर उसका संकट,मिटाने स्वयं दौड़े चले आये।इसलिए भगवान को हमेशा याद रखना चाहिए।

पंचायती राज में अनियमितताएँ, गरीबों की सुनने वाला कोई नहीं

सांईखेड़ा। अनियमितता और मनमानी करने वालो को यत्र-तत्र जयकार होती आ रही है..? मगर पंचायती राज में तो भ्रष्टाचार का विकेन्द्रीकरण होते हुए दिखाई दे रहा है, जिसकी अनेको शिकायते हुइं पर उन पर क्या कार्यवाही होती है किसी को नहीं है पता? इतना ही नहीं शिकायतो को ठंडे बस्ते में डाल देने का क्रम जारी है, यदि ग्रामीण क्षेत्रों में त्रिस्तरीय पंचायती राज में पंचायत प्रतिनिधियों द्वारा जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ अपने सगे संबंधियों व छुटभैया नेताओं को देना, पंचायत की राशि का दुरूपयोग करना, गरीबों के नाम पर आई योजनाओं का बंदर बांट करना आम बात होते हुए दिखाई दे रही है? परिणाम स्वरूप योजनाओं के असली हक दार योजनाओं की जानकारी के अभाव में पंचायतो की ओर ताकते रहते हैं, किंतु उन्हें योजनाओं का लाभ नहीं मिल पाता है? इस बात की शिकायत करने पर शिकायतकर्ता को ठेंगा दिखाने से पंचायत के कर्णधार पेट का खाना तक की योजनाओं में धांधली करने से नहीं चूक रहे हैं? अनुसूचित जाति, जनजाति और गरीब तबका आज अपने परिवार के साथ दयनीय स्थिति में है, शासन चलाई जा रही अनेक योजनाओं के बाद भी वह न उन्हें ईलाज मिल पा रहा है और न ही शिक्षा तथा न ही रहने का ठौर ठिकाना अपने लिए बना पा रहा है? अक्सर देखा जाता है कि पंचायत प्रतिनिधि अपनी मनमानी के चलते रूपया कमाना अपनी शान समझते हुये पंचायती राज की धज्जियाँ उड़ते हुए देखे जाते है? जिन पंचायतों का महिलाओं द्वारा नेतृत्व किया जा रहा है उन पंचायतों के कार्यों में सरपंच पतियों का हस्तक्षेप भी बढ़ा हुआ है, जिससे लोगों को पंचायती राज का लाभ नहीं मिल पा रहा है, इस बात की सच्चाई इस समय गाडरवारा तहसील क्षेत्र के सांईखेड़ा जनपद के अंतर्गत आने वाले अनेक ग्राम पंचायतों में आसानी से देखने मिल रही है? जहां पर आज भी अनेक पात्र हितग्राही शासन द्वारा चलाई जा रही अनेक योजनाओं के लाभ से बंचित घूम रहे है, स्थिति तो यहां तक देखी जाती है कि अनेक लोगों को सरकार से उनके मकान बनने की बधाई भेजी जाती है? मगर उन्हें यह तक पता नही रहता है कि उनका कौन से मकान बन गया है जिसकी उन्हें बधाई मिल रही है?

खेतों में खड़ी हुई धान की फसल में लगातार बढ़ रहे कीट

प्रकोप से परेशान किसान बचाव को लेकर हो रहे हैं परेशान

कृषि विभाग द्वारा उचित जानकारी नहीं मिल पाने से खेत को लाभ का धंधा बनाने पर लग रहा ग्रहण...?

सालीचौका

कहने के लिये तो केन्द्र से लेकर प्रदेश सरकार द्वारा किसानों को अनेक प्रकार की योजनायों के नाम गिनाते हुये सहायता पहुंचाने की बात कही जाती है।मगर जब किसानों को अपने खेती के लिये जिस जरूरी सामग्री की आवश्यकता होती है वह नही मिल पाती है। वही दूसरी ओर किसानों को उचित कृषि संबंधी सालह देने के लिये कृषि विभाग तो बना हुआ है। मगर उसके अधिकारी खोजने से भी दर्शन देना उचित नही समझे है जिसके चलते खेती का धंधा करना मुश्किल होने से नही चूक रहा है? इस समय देखा जावे तो जहां क्षेत्र का अन्न देता आने वाले दिनों में अपने खेतों में बोनी करने के लिये तैयारी मे जुटा हुआ है। मगर खाद को लेकर परेशान होते हुये देखा जा रहा है तो दूसरी ओर इस दिनों जिन किसानों ने अपने खेतों में धान की फसल पहले रोपित कर दी गई थी वह तो कटने लगी है। मगर जून जुलाई माह में बारिश पर ब्रेक लग जाने के कारण अनेक किसानों की धान रोपाई में देरी हुई थी उस धान फसल को कटने में अभी देरी लगने का अनुमान है। इस तरह किसानों के खेतों में खड़ी हुई धान सहित गन्ना फसल में जिस तरह अनेक प्रकार की बीमारियाँ फैल रही है मगर शासन प्रशासन द्वारा उन बीमारियों से बचाव को लेकर किसी भी प्रकार की शासन द्वारा मदद मिलते हुये दिखाई नही दे रही है? इस तरह लगातार कुछ वर्षो से प्रकृति मार अन्नदाताओं के ऊपर इस तरह पड़ रही हे कि वह उससे उभर ही नही पा रहा है। क्योंकि इस वर्ष जिस प्रकार इन्द्रदेव द्वारा कृपा करते हुये बारिश के रूप में जो आर्शीवाद प्रदान किया गया था उसके चलते निश्चित ही क्षेत्र के किसानों में काफी हद तक यह उम्मीद जाग गई थी कि शायद इस बार उनकी किस्मत साथ दे देगी और वह परेशानियों से उभर जावेगे। मगर लगातार हुई बारिश के चलते जहां किसानों के खेतों में लगाई हुई उडद तथा सोयाबीन फसल प्रभावित होने से नही बच पाई है तो दूसरी ओर हालत यह देखे जा रहे है कि खेतों में खड़ी हुई धान सहित गन्ना फसल में फुंदीनुमा कीट व इल्ली दिखाई देने से किसानों के चेहरों पर फिर चिंता के बादल मडराते हुये साफ दिखाई देने लगी है। क्योंकि किसानों के मन मुताबिक बारिश होने के चलते निश्चित ही किसानों के खेतों में लहलाहाती हुई धान से निकलने वाली खुशबू किसानों के चेहरों पर खुशी का इजहार करने में कोई कसर नही छोड़ रही थी। मगर पता नही कि आखिरकार किसानों के चेहरों पर दिखाई देने वाले खुशी को कौन सा ग्रहण लगता हुआ है जिसके चलते हर वर्ष अचानक किसानों के ऊपर इस प्रकार का मार पड़ते हुये देखी जाती है कि उनके खेतों में तैयार होने के नजदीक पहुंचने वाली फसल बर्बाद होने लगती है। कुछ इसी प्रकार की सच्चाई इस वर्ष धान व गन्ना की फसल को देखते हुये भी जान पड़ रहा है? क्योंकि लम्बे अंतराल के बाद यह पहला वर्ष देखने मिल रहा था कि किसानों द्वारा अपनी धान व गन्ना फसल को बचाने के लिये नलकूपों के पानी का कम ही उपयोग करने की जरूरत महसूस की गई हो? क्योंकि बीते हुये कई वर्षो बाद धान व गन्ना की फसल हेतु इस वर्ष अच्छी बारिश से निश्चित ही जहां धान व गन्ना की खेती करने वाले किसानों के चेहरों पर खुशी ला दी गई थी जिसके चलते पर्याप्त मात्रा में बारिश होने के कारण किसानों के खेतों में धान व गन्ना की फसल जोरदार स्थिति में पहुंचने के बाद अब वह अंतिम स्थिति की ओर पहुंचने वाली ही थी कि मगर अचानक फसल में जिस प्रकार से फुंदी व इल्लीनुमा रोक लगाते हुये देखा जा रहा है उसके चलते खेतों में खड़ी हुई किसानों की फसल बर्बाद होने से नही चूक पा रही है? शायद क्षेत्र के किसानों के सामने भी ऐसा पहला मौका होगा जब धान की फसल में उनके द्वारा इस प्रकार से इल्ली लगते हुये देखा जा रहा है? इस प्रकार से इल्लीनुमा पैदा हो रही कीट वाली बीमारी का सही नाम तो पता नही चल पा रहा है।

मगर कुछ लोग इसे फाल आर्मी वर्म कीट का नाम देते हुये देखे जा रहे है? इस प्रकार किसानों की धान गन्ना फसल को इस कीट द्वारा जिस प्रकार से बर्बाद करने के साथ साथ उसकी पैदा बढ़ते हुये देखी जा रही है उसके चलते किसानों द्वारा अपनी फसल को बचाना मुश्किल हो गया है? क्योंकि यह कीट धान के पेड़ के नीचले भाग में तो फुंदी गन्ना के पत्तों पर निवास करते हुये अपने द्वारा त्यागे गये मल के माध्यम से अपनी प्रजाति की पैदावार में इजाफा करते हुये देखा जा रहा है? इस प्रकार से किसानों के खेतों में खड़ी हुई फसल जिस प्रकार से बर्बाद होते हुये देखी जा रही है उस ओर न तो प्रशासन द्वारा किसी प्रकार का ध्यान दिया जा रहा है और न ही कृषि विभाग के अधिकारियों द्वारा जिसके चलते लगातार बढ़ रहे इस कीट से अपनी धान फसल को बचाने के लिये क्षेत्र का किसान कीट नाशक दुकानों की अंदाज के आधार पर कीट नाशक दबाईयाँ खरीदने के बाद उनका छिड़काब करते हुये देखा जा रहा है। मगर इसके बाद भी इस कीट की बढ़ती हुई पैदावार पर अंकुश नही लगने के कारण किसानों को आर्थिक बोझ सहन करने के लिये मजबूर होते हुये देखा जा रहा है? जबकि नियम अनुसार सरकार द्वारा किसानों को फसलों में लगने वाली कीटों के बचाव के लिये कृषि विभाग की स्थापना की गई जिसमें तैनात अधिकारियों द्वारा किसानों के बीच पहुंचकर उन्हें कीटों से अपनी फसलों को बचाने के लिये उचित सलाह देना चाहिये। मगर कृषि विभाग इस समय जिस प्रकार से अपनी कुंभकर्णी निद्रा में देखा जा रहा है उससे किसानों को किसी भी प्रकार का कोई लाभ मिलते हुये दिखाई नही पड़ पा रहा है और उनकी धान फसल लगातार बर्बादी की कगार पर पहुंचने से नही चूक पा रही है? इस प्रकार से यदि किसानों की सच्चाई पर देखा जावे तो क्षेत्र के अनेक किसानों द्वारा अपने अधिकतर रकवे में धान फसल को इस सोच के साथ लगाया गया था कि धान व गन्ना फसल सबसे सुरक्षित रहती है जिसके चलते बीते हुये कुछ वर्षो से लगातार प्रकृति की मार झेलते हुये किसान इस वर्ष गन्ना व धान फसल के माध्यम से अपनी स्थिति सुधारने में सफल होते हुये उसी जमीन पर बोनस के रूप में दूसरी फसल पैदा करने लगे। मगर किसानों की इस सोच को अचानक धान व गन्ना फसल में पैदा हुई इल्लीनुमा कीट व फुंदी ने ग्रहण लगाने में कोई कसर नही छोड़ी गई है।

मिलावटखोरी करने वालों के खिलाफ घूमा खाद्य विभाग अधिकारी की मुहिम

बीकानेर मिष्ठान भंडार अन्य दूकानों निर्माण स्थली पर पहुंकर किया निरीक्षण

गाडरवारा। निश्चित तौर जब हम लोग किसी मिठाई की दुकान पर पहुंचते हुये कांच के अंदर रखी हुई रंगी बिरंगी मिठाईयों को देखते हुये उन्हे खाने के लिये ललायित होने से नही चूकते है। इसी बात को मिठाई विक्रेताओं द्वारा किस तरह का फायदा उठाया जाता है इस सच्चाई किसी ने छिपी नही है? क्योंकि देखा जावे तो आज हमारे नगर में बाहर यानि की दूसरे प्रांतों से आये हुये मिठाई विक्रेता दिनों दिन लखपति बनते हुये देखे जा रहे है और स्थानीय मिठाई विक्रेताओं की स्थिति जहां की तहां देखने मिल रही है...। खैर सच्चाई जो भी उसे तो भगवान ही जाने। मगर मिलावट खोरी करने वालों के खिलाफ शासन द्वारा सख्त कानून बनाये जाने के बाद भी देखा जा रहा है कि इनके हौसले इतने बुलंद नजर आ रहे है कि वह बासी रखी हुई यानि की जिनकी अवधि समाप्त हो चुकी होती है उन मिठाईयों को ताजी मिठाईयों के साथ मिलकर विक्रय करने से नही चूक रहे है। क्योंकि आने वाले दीपावली त्यौहार को ध्यान में रखते हुये जिला कलेक्टर के निर्देशन में जिला खाद्य अधिकारी अमित गुप्ता द्वारा मिलावट करते हुये आम लोगों के स्वास्थ्य से खिलबाड़ करने वालों के खिलाफ डंडा घुमाना शुरू कर दिया गया है। इस बात की सच्चाई बीते हुये दिवस उस समय देखने मिली जब जिला खाद्य अधिकारी द्वारा नगर के शांतिदूत तिराहा के पास स्थित बीकानेर मिष्ठान भंडार के निर्माण स्थल पर अचानक छापा मारते हुये वहां की गुणवत्ता को देखा गया। इसके आलवा अन्य मिठाई दुकानों के निर्माण स्थल पर पहुंच कर भी जांच की गई जहां पर इस निरीक्षण के दौरान देखा गया कि मिठाई बनाते वक्त कुछ मिठाईयाँ इस तरह से भी थी जिनके ऊपर लगी हुई पन्नी को निकालते हुये मिठाई का निर्माण करने वाले लोगों द्वारा ताजी बन रही मिठाईयों में मिला रहे थें? इस सच्चाई से यह बात प्रतीत होने से नही चूक रही थी कि निश्चित तौर से यह वही मिठाई होगी जो बीते हुये कुछ दिनों से रखी होने के बाद जब विक्रय नही हुई तो पुनः नई मिठाईयों में मिलाते हुये विक्रय करने के लिये इस कृत्य को अंजाम दिया जा रहा है। इस तरह पुरानी मिठाई को नई मिठाई के बीच मिलाते हुये देखे जाने पर अधिकारी द्वारा तुरंत ही उसका विनाष्टिकरण कराया गया। वही दूसरी ओर मिठाई के निर्माण स्थल पर खुलेआम गैस का उपयोग होने के साथ साथ बायरल का उपयोग होते हुये देखे जाने से लोग हैरत में पड़ने से नही चूक पाये? इस तरह रहवासी क्षेत्र में वायरल को उपयोग करना निश्चि तौर बड़े खतरे की ओर संकेत देने से नही चूक रहा है? इस तरह खाद्य अधिकारी द्वारा बीकानेर मिष्ठान भंडार के मिठाई निर्माण स्थल से अलग अलग किस्म की मिठाईयों सहित मौके पर रखे हुये खोबे का सैम्पल लेते हुये जांच के लिये भेजा गया है। इस दौरान जिला खाद्य अधिकारी अमित गुप्ता द्वारा नगर की पलोटन गंज स्थित राज स्थान मिठाई दुकान पर पहुंचकर भी निरीक्षण किया गया। ज्ञात हो कि बीते हुये कुछ माह पहले जब खाद्य अधिकारी द्वारा इस दुकान का निरीक्षण किया गया था उस समय भारी मात्रा में फफूंद लगी हुई मिठाईयाँ पाई गई थी जिसके चलते गुप्ता द्वारा इस दुकान के खिलाफ की गई कार्यवाही के चलते जिला अधिकारी द्वारा अर्थ दंड की सजा से दंडित किये जाने के कारण यह दुकान तथा शांति दूत तिरहा के पास स्थित बीकानेर मिठाई दुकान सदा ही आम लोगों के बीच गुणवत्ता को लेकर चर्चा का विषय बनने से नही चूक पाती है..? जिला खाद्य अधिकारी द्वारा इन दुकानों के आलवा अन्य दुकानों पर पहुंचकर भी जांच करते हुये सैम्पिल लिये गये। इस संबंध में खाद्य अधिकारी का कहना था कि आने वाली दीवाली के त्यौहार को ध्यान में रखते हुये प्रशासन द्वारा मिलावटी सामग्री के विक्रय पर रोक लगाने के लिये लगातार छापे मार कार्यवाही की जा रही है। इसी के चलते सालीचौका, सांईखेड़ा, गाडरवारा, चीचली सहित अन्य जगहों पर भी पहुंचकर मिठाई दुकानों की जांच करते हुये सैम्पिल लिये जा रहे है। जिला खाद्य अधिकारी अमित गुप्ता का कहना है कि यह कार्यवाही लगातार जारी रहेगी। वही दूसरी ओर जिला खाद्य अधिकारी गुप्ता द्वारा सभी दुकानों को इस बात को लेकर भी निर्देशित किया गया है कि वह अपनी मिठाईयाँ ग्राहक को विक्रय करते समय डिब्बे के साथ तौल नही करेगे। बगैर डिब्बे के ताल करने के उपरांत ही डिब्बे में मिठाई रखकर देगे। यदि किसी दुकानदार द्वारा मिठाई के साथ डिब्बे की तौल की गई तो शिकायत मिलने के बाद उसके खिलाफ सख्त कार्यवाही की जावेगी।

भटेरा एवं बिछुआ हाई स्कूल में विद्यार्थियों को मिली साईकिलें

गाडरवारा। समीपस्थ तेंदुखेड़ा विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले सांईखेड़ा ब्लॉक के ग्राम भटेरा एवं बिछुआ के शासकीय हाई स्कूलों में कक्षा 9 वी के विद्यार्थियों को म प्र शासन की योजना के तहत साईकिल वितरण योजना के तहत निःशुल्क साईकिलों का वितरण किया गया। उपरोक्त कार्यक्रमो में बिछुआ के पात्र 54 एवं भटेरा के 35 विद्यार्थियों को तेंदूखेडा क्षेत्र के विधायक विश्वनाथ सिंह पटैल ने अन्य जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति में साईकिल वितरण किया। इस अवसर पर विधायक पटैल ने कहा कि छात्र छात्राओं को बेहतर शिक्षा देने के उद्देश्य से सरकार अनेक योजनाएं चला रही है जिनका लाभ उन्हे मिल रहा है। इसी के चलते जिन छात्राओं को आने जाने में परेशानियों का सामना करना पड़ता अब साईकिल मिलने से वह स्कूल आसानी से आ जा सकती है। वही दूसरी सरकार द्वारा बच्चों को निःशुल्क भोजन, पढ़ाई के लिये पुस्तके तथा ड्रेसें तक प्रदान कर रही है। स्कूलों में बेहतर पढ़ाई के साथ छात्र छात्राओं का भविष्य उज्जवल बने यही सरकार की मंशा है। इसी प्रकार से साइंखेड़ा जनपद अध्यक्ष छत्रपाल राजपूत ने कहा कि साईकिलों के मिलने के बाद स्कूल तक आवागमन में छात्र छात्राओं को सहूलियत होगी एवं वे बिना किसी परेशानी के पढ़ाई कर सकेंगे। विदित हो कि उक्त दोनों ग्रामों के स्कूलों में जनप्रतिनिधियो के पहुँचने पर बीईओ प्रतुल इंदुरख्या, प्राचार्य ए के गुबरेले, सतीश नाईक सहित शिक्षकों में संगीता मेहरा, सतीश साहू, भागवती मेहरा ने स्वागत किया। उक्त कार्यक्रमों मे राव शैलेश सिंह,जनपद उपाध्यक्ष प्रतिनिधि अनिल कौरव, रमाकांत शर्मा, रामकुमार पाराशर, भैया जी टेकन, भागवेंद्र पटैल, राम गोपाल गुर्जर, रजत कौरव, ठा तिलक सिंह, राजेंद्र तिवारी सहित अनेक अनेक लोग व स्कूल के छात्र छात्राये मौजूद थें।

खकरिया मंदिर में हुआ मुहूर्त गोष्ठी का आयोजन

गाडरवारा। स्थानीय खकरिया वाले दादा जी के मंदिर प्रांगण में बीते हुये दिवस मुहूर्त निर्णय गोष्ठी का आयोजन किया गया। इस मौके पर नगर व क्षेत्र के वरिष्ठ विद्वत विप्रजन उपस्थित हुए एवं मां दुर्गा, भगवान परशुराम व पंचांग पूजन कर सनातन धर्म के विशेष पर्व दीपावली के तिथि भ्रम पर चिंतन कर निर्णय लिया गया। लोक विजय पंचांग के अनुसार कार्तिक, कृष्ण रात्रि कालीन अमावस्या 31 अक्टूबर दिन गुरुवार को है। इसलिए दीपावली का पावन पर्व माता लक्ष्मी व कुबेर पूजन सायं 5 बजकर 38 मिनिट से रात्रि 8 बजकर 38 मिनिट तक अमृत और चर की चौघड़िया तथा वृष (स्थिर) लग्न में शुभ मुहूर्त में की जानी ही शास्त्रोचित है। वही गोवर्धन पूजन (अन्नकूट) - कार्तिक, शुक्ल,प्रतिपदा दिनांक 2 नवंबर दिन शनिवार को प्रातः7 बजकर 30 मिनट से 9:00 बजे तक शुभ मुहूर्त में तथा दोपहर 12:00 बजे से 4:30 बजे तक क्रमशःचर लाभ अमृत की चौघड़िया में पूजन करना उत्तम रहेगा।

कृषि संबंधी जानकारियों के आभाव में शासन की योजनाओं का लाभ लेने से वंचित हो जाते हैं कृषक

सालीचौका। जहां एक ओर प्रदेश से लेकर केन्द्र सरकार द्वारा किसानों की परेशानियों को ध्यान में रखते हुए अनेक किसान हितैषी योजनाएं चलाते हुए उनका भला किया जा रहा है। इस प्रकार से प्रदेश सरकार द्वारा चलाई जा रही किसान हितैषी योजनाओं के चलते क्षेत्र के किसानों को हर्ष होता है कि उनका मुखिया शिवराज सिंह चौहान हैं, मगर वही दूसरी ओर देखा जावे तो कृषि विभाग उनकी विश्वसनीयता को कम कर देते हैं, क्योंकि इस विभाग में पदस्थ अधिकारियों की उदासीनता के चलते जहां किसानों को सरकार द्वारा चलाई जा रही अनेक योजनाओं की समय पर जानकारी नही मिल पाने के कारण वह इन योजनाओं का लाभ नही उठा पाते है, वही मिल रही जानकारियों के अनुसार क्षेत्र के अनेक ग्रामों में पदस्थ ग्राम सेवको की स्थिति इस प्रकार से रहती है कि वह ग्रामीण क्षेत्रों का भ्रमण करने की बात तो दूर उनके क्षेत्र में किसानों को दर्शन तक नही होते है जिसको लेकर यह बात कही जावे कि किसान उन्हें पहचानते तक नहीं हैं, किसानों का कहना है कि आखिर हमें जानकारी देने का जिम्मा किसके हाथ में है, आखिर क्यों नहीं आते कृषि विभाग में पदस्थ अधिकारी उनके गांवों में क्यों सरकार द्वारा उन्हें सिर्फ अपने आफिसों में बैठने के नाम पर ही ताख्वाहा दे रहीं है? क्यों नहीं करते जनसंपर्क, कौन देगा हमें जानकारी, कैंसे मिलेगा शासकीय योजनाओं का लाभ, यह सवाल सभी किसानों को परेशान किए हुए हैं? क्योंकि अधिकांश ग्राम सेवको का कार्यालय शहरों में है जहाँ उन्हें खोजना एक कठिन कार्य होता है

बेरोजगारों को भ्रमित कर रही हैं कंपनियाँ, गांव गांव भ्रमण करते हुये फैलाया जा रहा है अपना गोरख धंधा..?

सालीचौका। इस समय देखा जा रहा है कि शहरों के साथ साथ ग्रामीण क्षेत्रों में भी बेरोजगार युवकों को ठगने का सिलसिला खुलेआम देखने मिल रहा है? जिसमें जिसमें देखा जा रहा है कि आये दिन नित्य नयी नयी कंपनियाँ ग्रामीण क्षेत्रों में अपने पैर पसार रही हैं और बेरोजगार युवकों को बहला फुसलाकर उन्हें रातो रात लखपति बनाने का सपना दिखाते हुये अपने जाल में फाँस रही हैं और ताज्जुब की बात तो यह है कि इन कंपनियों के ऐजेंट शहरों से लेकर गाँव गाँव तक घूमकर बेरोजगारों को सुनहरे सपने दिखाते हैं और उन्हें कुछ ही महीनों में लखपति बनने के आसमानी सपने दिखाकर उनसे एक मुश्त रकम लेकर उनको अपना एजेन्ट बना लेते हैं, इस तरह से क्षेत्र में अनेक कंपनियाँ अपना रोजगार फैलाये हुये हैं। लोगों का आरोप है कि इन तथा कथित कंपनियों के उत्पाद इतने महँगे हैं कि इन्हें खरीद ही नहीं सकते चूँकि जो भी व्यक्ति रकम जमा कर इन कंपनियों का एजेन्ट बन जाता है तो उसे दूसरा एजेन्ट बनाने का कार्य दिया जाता है और वह निकल जाता है किसी बेरोजगार को अपना एजेन्ट बनाने और कम से कम समय में लखपति बनाने के रंगीन सपने दिखाकर दूसरे को भी फाँस लिया जाता है और बोला ताजा है कि तुमको घर बैठे पैसा मिलेगा एक बार इस काम को शुरू तो करो फिर देखना कितनी कमाई होती है,क्योंकि जो एजेन्ट दूसरा एजेन्ट नहीं बनाता है उसे कमीशन नहीं मिलता है इसलिये एक दूसरे को फँसाते रहते हैं ना तो कोई दो महीने में लखपति बना है और ना ही बनेगा, इस प्रकार की जिनती भी कंपनियाँ इस क्षेत्र में काम कर रही हैं वह युवकों को गुमराह कर पैसा ऐंठने का कार्य कर रहीं हैं,पढ़े लिखे युवक उनकी बातों में आकर लखपति बनने का सपना देखकर वह अपना पैसा फंसाकर कंपनी के लिये काम करना शुरू कर देते हैं, इतना ही नहीं इन तथाकथित कंपनियों ने अनेक शासकीय कर्मचारियों को भी अपनी गिरफत में ले लिया हैजो अपने एजेन्ट बनाने के लिये अपने अधीनस्थ कर्मचारियों पर प्रभाव डालकर उन्हें इस कंपनी की लिंक चैन से जोड़ने का कार्य कर रहे हैं। इस प्रकार की कंपनी द्वारा लखपति बनाये जाने के मायाजाल में फंसे कर्मचारियों की जाँच होनी चाहिये और इनके खिलाफ सख्त कार्यवाही होनी चाहिये, कुछ कर्मचारियों की तो यह स्थिति है कि वह अपनी पत्नियों के नाम से कंपनी में जुड़कर अपने ईमानदारी से करने वाले कार्य को नजरअंदाज कर इस कार्य में लगे हुये हैं जिसके कारण यह कंपनियाँ दिन दुगना रात चौगुना जाल फैलाती जा रही हैं।

फर्जी डिग्रीधारी डॉक्टर कर रहे लोगों की जान से खिलवाड़

चीचली। क्षेत्र मे इन दिनो फर्जी डिग्रीधारी, डॉक्टर अनपढ़ लोगो को दवाइयों के नाम पर लूट खसोट करने मे कोई कोर कसर बाकी नही रखते है? जबकि अंचल में पड़ोसी राज्यो के फर्जी डॉक्टरों द्वारा दवाई करने के नाम पर डिस्पेंसरी का संचालन किया जा रहा है। प्राप्त जानकारी के अनुसार यहां पड़ोसी राज्यों बंगाल, बिहार, कलकत्ता,उड़ीसा आदि राज्यों सें आकर लोग डॉक्टरी पेशे को कमाई का जरिया बनाये हुए है और जो लोगों को दवाइयां करने के नाम पर ठगने मे कोई कोताही नही बरतते है? इतना ही नही मर्ज कितना भी जटिल क्यो न हो ये डॉक्टर दवाई करने से नही चूकते है, मजेदार बात यह है कि ग्रामीण क्षेत्रों में इनसे दवाई करवाने क्षेत्र से अधिकांशतः अनपढ़ लोग आते है। जिसका फायदा ये चिकित्सक आराम से उठा रहे है आमजन का आरोप है कि बकायदा अपने डिस्पेंशरी मे साइन बोर्ड लगाकर लोगों को अपनी ओर आकर्षित करते है, इतना ही नही वोर्ड मे कई देशी व विदेशी संस्थानों से डिग्री पास करने का उल्लेख करते है जबकि हकीकत कुछ और ही है,इनमे अधिकांशतः पांचवी पास भी नही है। लेकिन उपचार के नाम पर लोगों को बेवकूफ बनाने मे माहिर है,इनमे दवा कराने के बाद लोगों को गंभी अवस्था मे चिकित्सालय लाया जाता है जिसमें गरीबों का पैसा और स्वास्थ्य दोनो का नुकसान हो चुका होता है लेकिन स्वास्थ्य विभाग इन पर कार्रवाई करने से परहेज कर रहा है।

खबर संक्षेप

सचिव पर कांजी हाउस की राशि हड़पने का आरोप

हरिभूमि न्यूज डिंडौरी। जनपद पंचायत समनापुर अंतर्गत ग्राम पंचायत बुडरूखी के कांजी हाउस की राशि को पंचायत में जमा न कर सचिव के द्वारा अपने स्वयं के उपयोग में किये संबंधी शिकायत गांव के व्यक्ति द्वारा कलेक्टर से की गई है। आवेदक सिखरचंद पिता मनोहर निवासी ग्राम बुडरूखी शिकायत में उल्लेख किया कि ग्राम पंचायत बुडरूखी के सचिव के द्वारा वर्ष 2018 से आज दिनांक तक की कांजी हाउस की राशि को ग्राम पंचायत या शासन के खाते में जमा न करते हुये सचिव त्रिलोक मोहारी के द्वारा गबन कर लगभग 4 लाख रूपये अपने स्वयं के उपयोग में खर्च कर रहा है। जब ग्रामवासियों के द्वारा उक्त कांजी हाउस की राशि के बारे में पूछा जाता है कि है तो बात को घुमा देता है। ग्राम पंचायत बुडरूखी के सचिव की जांच कराया जाकर दोषी पाये जाने पर उचित कार्यवाही करने की मांग कलेक्टर से की गई है।

कोतवाली पुलिस की कार्रवाई से शराब तस्करों में हड़कंप

लग्जरी वाहन से अवैध शराब का परिवहन करते दो आरोपी गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज डिंडौरी। कोतवाली थाना क्षेत्र अंतर्गत जबलपुर रोड में स्कार्पियो गाडी से अवैध तौर पर डिण्डौरी लाई गई भारी मात्रा में शराब पुलिस द्वारा वाहन समेत जप्त की गई है। पुलिस के अनुसार रात्रि गश्त के दरमियान मुखबिर के जरिये.अवैध शराब के परिवहन के संबंध में सूचना प्राप्त हुई। सूचना पर तस्दीक व सत्यता की जाँच हेतु कोतवाली पुलिस ने आरटीओ कार्यालय के पास डिंडौरी जबलपुर मेन रोड में नाका बंदी की थोडी देर में मुखबिर के बताये अनुसार एक सफेद रंग की स्कार्पियो वाहन क्रमांक एमपी 52 सीए1109 आती दिखने पर उसे रोकने पर चालक स्कार्पियो गाडी को मेन रोड किनारे से उतारकर भगाकर ले जाने की कोशिश करने लगा और वाहन दुर्घटनाग्रस्त हो गया जिस वाहन में दो लोग बैठे दिखे। जिनका नाम पता पूछने पर वाहन चालक द्वारा अपना नाम पवन कुमार गर्ग पिता लव कुमार गर्ग उम्र 27 वर्ष निवासी ग्राम पिपरिया थाना समनापुर जिला डिंडौरी एवं सच्चिदानंद उर्फ सचिन दुबे पिता प्रमोद कुमार दुबे उम्र 30 वर्ष निवासी वार्ड क्रमांक 10 नर्मदागंज डिंडौरी का होना बताया। तत्पश्चात वाहन की तलाषी करने पर वाहन के पीछे व बीच वाली सीट में खाकी रंग के कार्टून रखे हुये थे, जिनमें एक कार्टून में इम्पीरियल ब्लू व्हीस्की अंग्रेजी शराब के 48 पाव, कीमती 11760 रूपये, एक कार्टून में रायल स्टेग व्हीस्की अंग्रेजी शराब 36 पाव, कीमती 10800 रूपये, एक कार्टून में मेक्डवल व्हीस्की अंग्रेजी शराब 9 बाटल कीमती 4455 रूपये, दो कार्टून में मेक्डवल विस्की अंग्रेजी शराब के 91 पाव कीमती 22295 रूपये, 5 कार्टून में जीनियस रम अंग्रेजी शराब के 231 पाव कीमती 31185 रूपये, 12 कार्टून में मेक्डावल रम अंग्रेजी शराब के 558 पाव कीमती 94860 रूपये रखे मिले। कुल शराब की मात्रा 176.895 लीटर कीमती 175355 रूपये की रखे पाई गई। पूछताछ पर आरोपी चालक पवन कुमार गर्ग द्वारा उपरोक्त शराब के परिवहन व विक्रय करने के संबंध में जानकारी चाही गई जो कोई कागजात नहीं होना बताये। पवन कुमार गर्ग व सच्चिदानंद उर्फ सचिन दुबे ने भी अपने कथन में उक्त अंग्रेजी शराब कुण्डम जिला जबलपुर से लाना बताया हैं। कथन पृथक पृथक लेख किये गये जो कथन के आधार पर आरोपी पवन कुमार गर्ग से एक सफेद रंग की स्कार्पियो वाहन क्रमांक एमपी 52 सीए 1109 कीमती 10 लाख रूपये गुरूवार की सुबह 05:10 बजे समक्ष गवाहान जप्त किया गया। उपरोक्त संपूर्ण शराब मय शराब परिवहन में प्रयुक्त वाहन स्कार्पियो वाहन क्रमांक एमपी 52 सीए 1109 कीमती दस लाख रूपये कुल जप्ती माल कीमती ग्यारह लाख पचहत्तर हजार तीन सौ पचपन रूपये बताई गई। परीक्षण हेतु पुलिस ने सैंपल लेकर जप्त शराब तथा सैंपल को मौके पर सीलबंद किया गया। दोनों आरोपी के विरुद्ध धारा 34(2) आबकारी एक्ट का पंजीबद्ध किया गया। कार्यवाही में सहायक उपनिरीक्षक राघवेंद्र सिंह, प्रधान आरक्षक 43 सत्य नारायण पटेल, आरक्षक देवेन्द्र पटले, हेमंत झारिया आरक्षक सतेंद्र डहेरिया, प्रधान आरक्षक सलीम खान, आरक्षक कैलाश द्विवेदी, अजय यादव व थाना रक्षा में लगे आरक्षक विनोद महोर शामिल रहे।

जर्जर भवन में संचालित हो रहा है शासकीय आदर्श महाविद्यालय

हरिभूमि न्यूज डिण्डौरी – आदिवासी बाहुल्य डिंडौरी जिले में न सिर्फ सरकारी स्कूलों की बल्कि महाविद्यालयों की स्थिति भी बेहद खराब है। हम बात कर रहे हैं शहपुरा तहसील मुख्यालय स्थित शासकीय आदर्श महाविद्यालय की जिसका संचालन पांच कमरे की बिल्डिंग में किया जा रहा है। आपको जानकर हैरानी होगी की इस महाविद्यालय में छात्र छात्राओं की दर्ज संख्या 600 से भी अधिक है एवं प्राचार्य समेत 41 प्रोफेसर एवं अतिथि विद्वान पदस्थ हैं लेकिन क्लासरूम के लिए सिर्फ तीन ही कमरे हैं। छोटे छोटे दो कमरे का उपयोग प्राचार्य कक्ष एवं लाइब्रेरी के लिए किया जा रहा है। छात्रों की दर्ज संख्या अधिक होने के कारण महाविद्यालय का संचालन दो शिफ्टों में किया जाता है। सिर्फ तीन क्लासरूम होने की वजह से बरामदे में बेतरतीब ढंग से क्लॉस का संचालन किया जाता है। विज्ञानं संकाय के छात्रों के लिए न ही प्रयोगशाला है और न ही कंप्यूटर क्लॉस की सुविधा है। खेल मैदान के अभाव के कारण महाविद्यालय में खेल गतिविधियां भी शून्य है। करीब पांच साल पहले डिंडौरी जिले के शहपुरा तहसील मुख्यालय को शासकीय मॉडल कॉलेज की सौगात मिली थी जिसका श्रेय लेने के लिए उस वक्त राजनैतिक पार्टियों के नेताओं के बीच होड़ मची थी लेकिन अब उसी मॉडल कॉलेज को लेकर नेताओं की बोलती बंद है। कहने को तो शहपुरा तहसील मुख्यालय में मॉडल कॉलेज है लेकिन मॉडल के नामपर इस कॉलेज में सुविधाओं का टोटा है। उच्च शिक्षा के लिए इलाके के गरीब आदिवासी छात्र छात्राओं ने यहां दाखिला तो ले लिया है लेकिन इस मॉडल कॉलेज में पढाई के नामपर छात्रों के भविष्य के साथ खिलवाड़ किया जा रहा है। पांच कमरे की बिल्डिंग में शासकीय मॉडल कॉलेज का संचालन किया जा रहा है आलम यह है की चार से पांच क्लॉस के छात्र बरामदे में बेतरतीब ढंग से बैठकर पढ़ने के लिए मजबूर हैं। प्राचार्य समेत 41 प्राध्यापक एवं अतिथि विद्वान इस महाविद्यालय में तैनात हैं लेकिन पर्याप्त क्लासरूम ही नहीं है। क्लासरूम ही नहीं है ऐसे में प्रयोगशाला,कंप्यूटर शिक्षा की बात करना भी बेमानी साबित होगी। कॉलेज में पढ़ने वाले छात्रों ने बताया की क्लासरूम नहीं होने की वजह से दो शिफ्ट में कॉलेज का संचालन किया जा रहा है एवं कॉलेज में उच्च शिक्षा के नामपर जरुरी सुविधाएं नदारद हैं जिसके कारण कहीं न कहीं उनकी पढाई भी प्रभावित होती है तो वहीं अतिथि विद्वान ने बताया की वे विषम परिस्थितियों के बाद भी यहां छात्रों को जैसे तैसे पढ़ा रहे हैं। महाविद्यालय के प्राचार्य से जब हमने इस मामले को लेकर बात की तो उन्होंने बताया की करीब पांच वर्षों से इसी बिल्डिंग में कॉलेज का संचालन किया जा रहा है। मॉडल कॉलेज का नवीन भवन बरखेड़ा गांव में लंबे वक्त से निर्माणाधीन है साथ ही जब उनसे मॉडल कॉलेज में असुविधाओं को लेकर सवाल किया गया तो वे कैमरे से मुंह छिपाते हुए नजर आये।

अवैध फटाखा भंडारण के विरुद्ध कार्रवाई, एक आरोपी गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज डिंडौरी। जिला मुख्यालय में अवैध रूप से फटाखा भंडारण के विरुद्ध एसडीएम रामबाबू देवांगन ने गुरुवार को कार्रवाई करते हुये एक आरोपी को गिरफ्तार किया है।आरोपी के कब्जे से लगभग 35 हजार के फटाखा जप्त किये गये हैं।शिकायत के आधार पर की गई कार्रवाई में कोतवाली पुलिस का अमला भी शामिल रहा।प्राप्त जानकारी के मुताबिक प्रशासन को नगर में अवैध विस्फोटक सामग्री के भंडारण की शिकायत प्राप्त हुई थी।जिसके मद्देनजर एसडीएम रामबाबू देवांगन और कोतवाली प्रभारी गिरवर सिंह उइके की टीम ने भारत माता चैक वार्ड नं. 5 में सुशील पिता गुलाब के घर पर दबिश दबिश दी और कार्रवाई को अंजाम दिया।पुलिस ने आरोपी के विरुद्ध विस्फोटक अधिनियम के तहत कार्रवाई की है।

लबालब पानी भरे अपूर्ण कुआं में कभी भी हो सकता है हादसा

ग्राम पंचायत भुरसी की लापरवाही से कभी भी हो सकता है हादसा

हरिभूमि न्यूज डिंडौरी। जनपद पंचायत बजाग की ग्राम पंचायत भुरसी के अंतर्गत बाबा कोन्हा ग्राम में मनरेगा योजना के तहत कराए गए सार्वजनिक पेयजल कूप के अधूरे निर्माण में ग्राम पंचायत की घोर लापरवाही देखने को मिली है वन ग्राम तरच से चिखला टोला मार्ग पर बाबा कोन्हा में सड़क किनारे ढाई लाख की लागत से सार्वजनिक पेयजल कूप का निर्माण वित्तीय वर्ष 2023-24 में स्वीकृत हुआ था जिसका खनन कार्य फूलमत बाई के खेत में विगत गर्मी के सीजन में मार्च अप्रैल को प्रारंभ किया गया था ग्राम पंचायत द्वारा उक्त कुएं की खुदाई करीबन दस मीटर तक करवाई गई है जिसके सात माह बीत जाने के बाद भी कुंआ की स्थिति जस की तस बनी हुई है और यह आज भी अधूरा पड़ा हुआ है खुदाई करने के बाद कुएं को खुला छोड़ दिया गया गया है कुंआ काफी गहरा है और इसमें जमीन की ऊपरी सतह तक लबालब पानी भरा हुआ है जिससे कभी भी गंभीर हादसा हो सकता है कुएं के आसपास सुरक्षा की दृष्टि से कोई घेरा भी नही बनाया गया है ग्रामीणों के अनुसार कुछ माह पहले इसी कुएं में ग्राम के ही अघनू नाम के व्यक्ति की एक बकरी गिरकर मर गई थी इसके बावजूद ग्राम पंचायत ने कोई ध्यान नही दिया है। ग्रामीणों ने बताया कि अधूरे कुएं से घटनाओं की आशंका बनी रहती है आसपास निवास करने वाले परिवारों के छोटे छोटे बच्चे खेलते रहते है जिन्हे हमेशा खतरा बना रहता है ग्रामीणों ने बताया की हम लोग मजदूरी करने या कृषि कार्य से कही चले जाते है तब हमे अधूरे कुएं के कारण अपने बच्चो की चिंता सताती रहती है अधूरा कुंआ सड़क किनारे बना हुआ है और इसके किनारे से स्कूल जाने वाले छात्रों सहित दिन भर लोगो की आवा जाही बनी रहती है ग्राम के पालतू मवेशी भी आसपास चरते है जो कभी भी हादसे का शिकार हो सकते है ग्राम के अघनु सिंह,भट्टू सिंह,गोलू,बुध सिंह आदि ग्रामीणों ने बताया कि बाबा कोन्हा में चार पांच परिवार ही निवास करते है इस स्थान पर शुद्ध पेयजल का कोई भी स्रोत नहीं है जिसके वजह से यहां पेयजल कूप स्वीकृत हुआ था जो की ग्राम पंचायत ने आधा अधूरा बनाकर छोड़ दिया है जिससे ग्रामीणों की परेशानी बढ़ गई है।ग्रामीणों ने बताया की पीने के पानी की कोई व्यवस्था नहीं होने के चलते हम लोग नजदीक ही बहने वाली नदी का पानी विगत कई वर्षों से पी रहे है बारिश में नदी का मटमैला और दूषित पानी पीना पड़ता है अधूरे कुएं के संबंध में ग्राम पंचायत ने बताया की कुएं के निर्माण के लिए स्वीकृत राशि काफी कम है आठ दस मीटर कुंआ खोदने के उपरांत इसमें मजदूरी की राशि लगभग एक लाख बत्तीस हजार रुपए खर्च हो गए है मजदूरी की राशि खत्म हो जाने से काम बंद कर दिया गया है अब आगे कुएं की खुदाई कर पाना संभव नहीं है अभी सिर्फ सामग्री की राशि ही बची है ग्राम पंचायत का कहना है कि पर्याप्त राशि नही होने के कारण अधूरे कुएं को असफल घोषित किया जा सकता है अधूरे कुएं का निर्माण में ग्राम पंचायत की लापरवाही साफ तौर पर देखी जा सकती है यहा सवाल यह है कि राशि की कमी के कारण सात माह पहले काम बंद कर दिया गया ।परंतु इस अधूरे निर्माण की जानकारी पंचायत ने जनपद के अधिकारियों और तकनीकी अमले को नही दी। जिससे कि इसके पूर्ण निर्माण के लिए आगे का रास्ता निकाला जा सके। अधूरे निर्माण पर ग्राम पंचायत के सरपंच सचिव हाथ पर हाथ रखकर बैठे रहे। और हादसे का इंतजार कर रहे है।

इनका कहना है,,

आपके द्वारा जानकारी प्राप्त हुई है।सचिव द्वारा बताया गया है कि मजदूरी भुगतान की राशि खत्म हो जाने से कार्य बंद कर दिया गया है। इस विषय पर तकनीकी अमले से चर्चा कर प्रावधान के तहत अग्रिम कार्यवाही की जाएगी।
एमएल धुर्वे, सीईओ जनपद बजाग

ऊषा आशा सहयोगी संयुक्त मोर्चा द्वारा अपनी मांगों को लेकर सौंपा ज्ञापन

हरिभूमि न्यूज डिंडौरी । ऊषा आशा सहयोगी संयुक्त मोर्चा द्वारा गुरुवार को अपनी लंबित मांगों को लेकर प्रदर्शन कर मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव एवं मिशन संचालक राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन मध्यप्रदेश के नाम तहसीलदार को कलेक्ट्रेट पहुंचकर ज्ञापन सौंपा गया है। ज्ञापन में दीपावली त्यौहार के पूर्व प्रत्येक आशा एवं पर्यवेक्षक के प्रोत्साहन राशि के सभी बकाया राशियों का भुगतान कराये जाने की मांग की गई। साथ ही आशा एवं पर्यवेक्षकों की वार्षिक वेतन वृद्धि का दीपावली से पूर्व भुगतान एवं इसे एक जुलाई 2024 से अक्टूबर 2024 तक की राशि का एरियर सहित भुगतान किये जाने, प्रत्येक महीने के 5 तारीख तक, बिना कटौती के आशाओं एवं पर्यवेक्षकों के वेतन प्रोत्साहन राशि का भुगतान नियमित रूप से करने सम्बन्धी निर्णय को सख्ती से अमल में लाया जाने, प्रत्येक आशा एवं पर्यवेक्षकों को उनके प्रोत्साहन राशि, भुगतान किये जाने वाली राशि एवं बकाया राशि आदि का विवरण वेतन पर्ची प्रदान किया जावे, ताकि आशाओं के प्रोत्साहन राशि का भुगतान में पारदर्शिता सुनिश्चित हो सके। इसके अतिरिक्त अन्य मांगे सभी अस्पतालों एवं प्राथमिक चिकित्सा केन्द्रों में सुरक्षित एवं सुविधायुक्त आशा विश्राम कक्ष की व्यवस्था करने हेतु उचित कदम उठाये जाने, आशा एवं पर्यवेक्षकों को अन्य सभी कर्मियों की तरह रविवार के दिन साप्ताहिक अवकाश दिया जावे एवं आकस्मिक अवकाश, मेडिकल अवकाश, त्यौहारों के अवकाश एवं अर्जित अवकाश प्रदान किये जाने, आशा एवं पर्यवेक्षकों से गैर विभागीय काम कराये जाने पर रोक लगाया जाने की मांग की गई। गैर विभागीय काम न कर पाने पर विभागीय एवं गैर विभागीय अधिकारियों द्वारा आशाओं के साथ असम्मानजनक व्यवहार करने एवं मनमाना तरीके से दण्डित करने पर रोक लगाने की मांग की गई है।

सेवा निवृत्ति आयु बढ़ाकर 65 वर्ष करने की मांग

आशा एवं पर्यवेक्षकों की सेवा निवृत्ति आयु बढ़ाकर 65 वर्ष किये जाने, 62 वर्ष पूर्ण होने से पहले आशा का जबरन सेवा निवृत्ति को रोका जाने, आशा या पर्यवेक्षकों के कार्य के दौरान दुर्घटना में घायल होने की स्थिति में सम्पूर्ण इलाज विभाग की ओर से सुनिश्चित किये जाने, विभागीय अधिकारियों के द्वारा आशा एवं पर्यवेक्षकों के साथ अभद्र, असम्मानजनक एवं आपत्तिजनक व्यवहार की घटनाओं पर तत्काल कार्यवाही कर दोषियों को दंडित करने, बैरसिया के ग्राम दोहाया में मातृ मृत्यु एवं शिशु मृत्यु की घटना को लेकर बिना निष्पक्ष जांच के निर्दोष आशा एवं पर्यवेक्षक की सेवा समाप्त करने का आदेश निरस्त करते हुये उन्हें तुरन्त अपने अपने पद पर बहाल करने, विभागीय दिशा निर्देशों के तहत जहां अधिक आबादी है वहां आशा एवं पर्यवेक्षकों की नियुक्ति किये जाने की मांग की गई है।

बिजली करंट लगने से आउट सोर्स कर्मचारी हुआ घायल

हरिभूमि न्यूज डिंडौरी। जिले के शाहपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत काम खाम्ही निवासी आउटसोर्स कर्मचारी बिजली करंट लगने से घायल हो गया। घायल को उपचार हेतु जिला चिकित्सालय में भर्ती कराया गया है। अस्पताल चैकी पुलिस को दिए कथन में महेश पिता विष्णु सिंह मरावी उम्र 28 साल ने बताया कि मैं इनोवेशन कंपनी बिजली विभाग डिण्डौरी में आउटसोर्स लाइनमैन का काम करता हूं। बुधवार को अपने सहकर्मी चरण सिंह सैयाम, करन बघेल, संजय परस्ते एवं महेश परस्ते के साथ सुपरवाइजर रोहित सोनी के निर्देशन में ग्राम खाम्ही में रूटिंग कार्य पर ट्रांसफार्मर बदल रहे थे। मैं खंबे पर सबसे ऊपर था। बीच में चरण सिंह सैयाम एवं करन बघेल थे। सबसे नीचे गाड़ी में संजय परस्ते एवं महेश परस्ते थे। तभी ट्रांसफार्मर बदलते समय करीबन 2.40 बजे दिन में ट्रांसफार्मर के ऊपर से गई टावर लाइन के कारण मुझे अचानक जोर का बिजली करंट का झटका लगा और मैं नीचे जमीन पर गिर गया। साथी लोगों ने मुझे उठाया और तुरंत बिजली विभाग की गाड़ी से जिला अस्पताल डिण्डौरी लाकर इलाज के लिए भर्ती किए है।

विकास खंड मेंहदवानी में शिक्षा व्यवस्था चरमराई

किराए के झोपड़ीनुमा घर में संचालित हो रहा प्राथमिक विद्यालय

मेंहदवानी। विकास खंड मेंहदवानी में शिक्षा व्यवस्था दिनों-दिन बदहाल हो रहा है। विकास खंड मेंहदवानी में अधिकांश विद्यालयों के हाल बेहाल हैं शाला भवन खंडहरों में तब्दील हो गए हैं कहीं अविभावकों के चंदे से बनाई झोपड़ी में विद्यालय संचालित हो रहे हैं तो कहीं चंदे एकत्र कर किराए के झोपड़ीनुमा घर में विद्यालय संचालित किए जा रहे हैं। ताजा मामला विकास खंड मेंहदवानी के वनग्राम खम्हरिया में देखने को मिल रहा है जहां प्राथमिक विद्यालय अविभावकों द्वारा चंदा एकत्र कर लिए गए झोपड़ीनुमा घर में संचालित किया जा रहा है। विद्यालय में बच्चों की दर्ज संख्या 39 है। ग्रामीणों ने बताया कि शाला भवन जर्जर हो जाने के कारण बच्चों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए अधिकारियों के निर्देश पर ग्राम पंचायत सुखलोड़ी द्वारा ढहा दिया गया है ऐसे में विद्यालय भवन विहीन हो गया है और बच्चे सड़क पर आ गए हैं। शासन प्रशासन द्वारा नये शाला भवन के निर्माण हेतु कोई पहल नहीं किया जा रहा है इसलिए अभी तक शाला भवन की स्वीकृति नहीं हुई है जिससे अविभावकों के माथे पर चिंता की लकीर साफ देखी जा रही है।बच्चों की पढ़ाई का नुक़सान होते देख अविभावकों द्वारा चंदा एकत्र कर जुलाई माह से झोपड़ीनुमा घर को किराए पर लिया गया है जहां प्राथमिक विद्यालय संचालित किया जा रहा है। झोपड़ीनुमा घर के बाजू में फट्टा लगाकर लघुशंका के लिए सुविधाघर बनाया गया है।

एकलव्य आदर्श विद्यालय एवं कन्या शिक्षा परिसर में 3 दिवसीय शिक्षक प्रशिक्षण आयोजित

हरिभूमि न्यूज डिंडौरी–जनजातीय कार्य विभाग में सक्षम कार्यक्रम अंतर्गत जिले के एकलव्य आदर्श विद्यालय मेंहदवानी, कन्या शिक्षा परिसर बजाग विकासखण्ड में 23 अक्टूबर से 25 अक्टूबर तक 3 दिवसीय शिक्षक प्रशिक्षण का आयोजन किया जा रहा है। इस प्रशिक्षण का उद्देश्य सक्षम कार्यक्रम के माध्यम से बच्चों में रोजगार, कैरियर की जानकारी विकसित करना है। प्रशिक्षण पश्चात शिक्षक द्वारा छात्र-छात्राओं को 21 वीं सदी के जीवन कौशल को विकसित करने हेतु नई शिक्षा नीति के आधार पर गतिविधि आधारित सत्रों के माध्यम से लिंग भेद और रोजगार परख, कैरियर संबंधी शिक्षा देंगे। जनजाति कार्य विभाग मध्यप्रदेश और मैजिक बस इंडिया फाउंडेशन के संयुक्त सहयोग से यह कार्यक्रम किशोर-किशोरियों में जीवन कौशल विकसित करने हेतु प्रयासरत है। जिससे वे अपने व्यवहारिक जीवन में आने वाली चुनौतियों का आसानी से निराकरण करने में सक्षम हों।

एसडीएम शहपुरा ने ओवर लोड रेत परिवहन कर रहे दो हाईवा वाहनों को पकड़ा

मेंहदवानी। विगत कई दिनों से मेंहदवानी शहपुरा मार्ग पर ओवरलोड फर्राटे भरते रेत का परिवहन कर रहे हाईवा वाहनों पर आखिरकार अधिकारी की नजर पड़ ही गई।एसडीएम शहपुरा ऐश्वर्य सिंह ने बुधवार को मेंहदवानी के ग्राम सारसडोली में कठौतिया से शहपुरा की ओर जा रहे रेत से भरे दो ओवरलोडिंग हाईवा वाहनों को घेराबंदी कर पकड़ा जिसे पुलिस अभिरक्षा में पुलिस थाना मेंहदवानी को सौंप दिया है। जानकारी के अनुसार बुधवार को एसडीएम शहपुरा ऐश्वर्य सिंह एवं नायब तहसीलदार सुखमन सिंह कुलेश ने राजस्व अमला के साथ कठौतिया से शहपुरा की ओर जा रहे रेत से भरे ओवरलोड हाईवा वाहन क्रमांक एमपी 20 जेड एच 4593 एवं एमपी 20 जेड एल 1215 को घेराबंदी कर सारसडोली के पास पकड़ा। दोनों वाहनों को जब्त करने के बाद आगे आगे एसडीएम शहपुरा तथा पीछे पीछे नायब तहसीलदार मेंहदवानी राजस्व अमले के साथ एवं पुलिस बल के साथ चलते हुए पुलिस थाना मेंहदवानी लेकर आए थे। नायब तहसीलदार सुखमन सिंह ने बताया कि 30 घन मीटर वाले हाईवा में 36 घन मीटर रेत भरा हुआ था जिस पर पंचनामा बनाकर जब्ती कार्यवाही करते हुए पुलिस अभिरक्षा में सौंपा गया है और प्रतिवेदन तैयार कर खनिज अधिकारी डिंडौरी को अग्रिम कार्यवाही हेतु प्रेषित किया गया है। जब्त वाहनों की पुलिस जांच के दौरान एक हाईवा वाहन के वाहन चालक के पास ड्राइविंग लाइसेंस भी नहीं पाया गया है देखना है पुलिस क्या कार्यवाही करती है।

कार्यालय मुख्य खण्ड चिकित्सा अधिकारी अमरपुर जिला डिण्डौरी (म.प्र.)
एचसी/2024-25/327
अमरपुर, दिनांक 23/10/2024
नीलामी सूचना
अस्पताल से संबंधित अनुपयोगी सामग्री की नीलामी दिनांक 28/10/2024 को किया जाना है। संबंधित फर्म नीलामी दिनांक के पूर्व कार्यालयीन समय में अवलोकन कर सकते हैं।
मुख्य खण्ड चिकित्सा अधिकारी सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र अमरपुर जिला डिण्डौरी (म.प्र.)

खबर संक्षेप

रजिस्टार कार्यालय में ताला पड़ा

तेंदूखेड़ा। इन दिनों तेंदूखेड़ा में संचालित रजिस्टार कार्यालय पिछले एक पखवाड़े से बंद पड़ा हुआ है।जिस कारण से तेंदूखेड़ा क्षेत्र के किसानों को एवं आम उपभोक्ताओं को परेशान होना पड़ रहा है। हमारे प्रतिनिधि को मिली जानकारी के अनुसार यहां पर पदस्थ अधिकारी किसी समस्या के चलते छुट्टी पर गये हुए हैं। तभी से कार्यालय में ताला पड़ा हुआ है।प्रभार में भी किसी दूसरे अधिकारी की वैकल्पिक व्यवस्था नहीं की गई है। यहां के उपभोक्ताओं को नरसिंहपुर जिला कोषालय ही जाना पड़ता है। तथा अधिकारियों का कहना है कि यहां पर अधिकारियों की कमी बनीं हुई है इसलिए कोई वैकल्पिक व्यवस्था नहीं की जा सकती है। तेंदूखेड़ा क्षेत्र के उपभोक्ता 60किमी दूर नरसिंहपुर भी जाते हैं लेकिन उनके काम ना हो पाने के कारण खाली हाथ वापस लौटना पड़ता है। ऊपर से आर्थिक खर्चा भी हो जाता है। कृषकों तथा आम उपभोक्ताओं ने तत्काल प्रभाव से सप्ताह में दो दिन किसी एक अधिकारी को भेज कर यहां की व्यवस्था करनी चाहिए। हमारे प्रतिनिधि द्वारा जब जिला कोषालय अधिकारी से वस्तुस्थिति जानने चर्चा करनी भी चाही लेकिन उनसे फोन पर चर्चा नहीं हो सकी।

ओवर ब्रिज निर्माण हेतु कलेक्टर ने दिया अनापत्ति प्रमाण पत्र

नरसिंहपुर। जबलपुर डिवीजन के इटारसी- जबलपुर खंड पर रेलवे लेवल क्रासिंग नंबर 265, 267, 268, 269 व 270 के लिए अंडरब्रिज के प्रस्तावित निर्माण के पूर्व रेलवे लेवल क्रासिंग बंद करने और करेली- बोहानी रेलवे खंड के मध्य स्थित समपार फाटक क्रमांक 263 पर रोड ओवर ब्रिज बन जाने के पश्चात बंद करने के लिए कलेक्टर श्रीमती शीतला पटले ने निर्धारित शर्तों का पालन सुनिश्चित करने के आधार पर अनापत्ति प्रमाण पत्र जारी किये हैं। अनुविभागीय राजस्व अधिकारी गाडरवारा के जांच प्रतिवेदन से सहमत होते हुए विभिन्न शर्तों का पालन करने के लिए कहा गया है। जारी अनापत्ति प्रमाण पत्रों के अनुसार जिन निर्देशों का पालन सुनिश्चित करने के लिए कहा गया है, उनमें ओवरब्रिज निर्माण कार्य के दौरान रेलवे फाटक बंद नहीं किया जावे, यदि फाटक बंद किया जा रहा है, उस स्थिति में वैकल्पिक मार्ग की व्यवस्था की जावे। किसी भी स्थिति में आवागमन बाधित नहीं हो। वैकल्पिक मार्ग के रूप में पूर्व से निर्मित अंडरब्रिज है, तो उसमें जलभराव की स्थिति निर्मित नहीं हो। भारी वाहनों को दृष्टिगत रखते हुए आवागमन की व्यवस्था की जावे। उक्त रेलवे फाटक को ओवर ब्रिज निर्माण कार्य पूर्ण होने के बाद ही स्थाई रूप से बंद किया जावे। कलेक्टर ने जबलपुर डिवीजन के रेलवे लेबल क्रासिंग नंबर 265, 267, 268, 269 व 270 और करेली- बोहानी रेलवे खंड के मध्य स्थित समपार फाटक क्रमांक 263 को बंद किये जाने के लिए उक्त शर्तों का पालन करने की दशा अनापत्ति प्रदान की गई है।

अवैध कट्टे से लोगों को डराने वाले आरोपी को कैद

नरसिंहपुर। न्यायालय न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी श्रीमती ऐश्वर्या जैन के न्यायालय द्वारा अवैध कट्टे से लोगों को डराने धमकाने वाले आरोपी सुमित सोनी, आयु 28 वर्ष, निवासी सोनी मोहल्ला चीचची पुलिस स्टेशन चीचली, जिला नरसिंहपुर को धारा 25(1-ठ)(।) आर्म्स एक्ट में दोषसिद्ध पाते हुये दो वर्ष का सश्रम कारावास एवं 1000 रुपये के अर्थदंड से दंडित किया गया। जिला मीडिया सेल प्रभारी द्वारा बताया गया कि सहायक उपनिरीक्षक अनिल तिवारी थाना कोतवाली जिला नरसिंहपुर में पदस्थ थे, जिन्हें गांधी चौक नरसिंहपुर पर एक मोटर साइकिल चालक द्वारा मुखबिर से सूचना प्राप्त हुई कि झिरना से करबला रोड के बीच एक व्यक्ति पिस्टल लेकर आम जनता को धमका रहा है। सूचना के आधार पर सहायक उप निरीक्षक अनिल तिवारी मय हमराही पुलिस बल मौके पर पहुंचे जहां तिराहा के पास स्ट्रीट लाइट की रोशनी में एक व्यक्ति देशी कट्टे के साथ आम लोगों को धमकाते हुए दिखाई दिया।

कलेक्टर ने ली स्वास्थ्य विभाग की विस्तृत समीक्षा बैठक

पोर्टल पर शत प्रतिशत एंट्री के दिये निर्देश

हरिभूमि न्यूज़ - नरसिंहपुर।

कलेक्टर श्रीमती शीतला पटले की अध्यक्षता में जिला स्वास्थ्य समिति की बैठक में लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग के कार्यों की समीक्षा की और आवश्यक निर्देश दिये। उन्होंने विभिन्न स्वास्थ्य कार्यक्रमों और गतिविधियों के लक्ष्य के विरूद्ध उपलब्धि की जानकारी ली। कलेक्टर ने बैठक में गर्भवती महिलाओं के पंजीयन, प्रथम त्रैमास पंजीयन व चार एएनसी की जांच की गहन समीक्षा की। उन्होंने शहरी क्षेत्र की उपलब्धि न्यूनतम पाये जाने पर एएनएम की बैठक आयोजित करने के निर्देश दिये। जहां एएनएम का पद रिक्त है, उन क्षेत्रों में टीम वर्क के माध्यम से कार्य कराया जाये और पोर्टल पर शत प्रतिशत एंट्री करवाई जाये। माह में एक बार स्वास्थ्य व महिला बाल विकास विभाग की संयुक्त रूप से सेक्टर बैठक आयोजित कर रिकॉर्ड का मिलान किया जाये और पोर्टल पर अपडेट किया जाये। जो महिलाएं ग्राम में शादी के पश्चात आई हैं, उनका विवाह पंजीयन तत्काल किया जाये। इसके लिए सघन मॉनिटरिंग कर समस्त दस्तावेज प्राप्त करें।

हाई रिस्क गर्भवती महिलाओं के चिन्हांकन

बैठक में कलेक्टर ने चावरपाठा ब्लॉक के अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत बरमान खुर्द व बोहानी में प्रथम त्रैमास पंजीयन किये जाने पर एएनएम एवं सीएमओ को नोटिस जारी करने के निर्देश दिये। प्रत्येक खंड चिकित्सा अधिकारी स्वयं मॉनिटरिंग करें और 15 दिवस में पंजीयन पोर्टल पर शत प्रतिशत एंट्री पूर्ण की जाए। ग्राम की आशा एवं आंगनबाड़ी कार्यकर्ता गर्भवती महिला के घर जाकर पूर्व में ही परिवार से बात कर प्रसव की आगामी रूपरेखा तैयार करें और जिस स्थान पर परिवार द्वारा प्रसव कराया जाना है, वहां की एएनएम को सूचित करें एवं बाहर जाने पर समय पर संपूर्ण जांच भी कराई जाए। बैठक में कलेक्टर द्वारा हाई रिस्क गर्भवती महिलाओं के चिन्हांकन एवं प्रबंधन, माडरेट एवं सीवियर एनीमिया की समीक्षा की गई। समीक्षा के दौरान जिन क्षेत्रों में पोर्टल पर एंट्री होना शेष रह गई है, जो एएनएम विहीन क्षेत्र है, उनकी एंट्री पोर्टल पर कराने के निर्देश दिए। अनमोल पोर्टल पर गैप होने पर कम्युनिकेशन के लिए जिला स्तर पर एक दिवसीय कार्यशाला आयोजित कर ब्लॉक स्तरीय अधिकारियों को प्रशिक्षित किया जाये। एनीमिक महिला को अगर दूसरी संस्था में सेवाएं दी जा रही हैं, तो संस्था की जानकारी एकत्रित कर पोर्टल पर शत प्रतिशत एण्ट्री की जाए।

108 वाहन परिचालन की सघन मॉनिटरिंग

जिले में हुए प्रसवों की ब्लॉकवार समीक्षा के दौरान जिन क्षेत्रों मे घर पर प्रसव हो रहे हैं उन क्षेत्रों में हितग्राही से बात कर प्रसव होने के 07 दिवस पूर्व अस्पताल के बर्थ वेटिंग रूम में भर्ती कराया जाए। 108 एम्बुलेंस में फोन करने पर लेट आने पर 108 कोऑर्डिनेटर को रिस्पांस टाइम का डाटा प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। अगर 108 पर हितग्राही का काल आने पर तत्काल एंबुलेंस पहुंचाई जाए। 108 वाहन परिचालन का लॉगिन एवं पासवर्ड कलेक्टर कार्यालय एवं स्वास्थ्य विभाग के कार्यालय में उपलब्ध कराया जाए, जिससे 108 वाहन परिचालन की सघन मॉनिटरिंग की जाए। बैठक में टीकाकरण कार्यक्रम की समीक्षा के दौरान 5 वर्ष तक के टीकाकरण वाले बच्चों को पोर्टल पर सीएचओ के माध्यम से शत प्रतिशत एंट्री तत्काल की जाए। सीएचओ को ग्राम स्तर पर फील्ड पर भेजा जाए और उनकी पर फॉर्मेट अनुसार डाटा तैयार कर समीक्षा बैठक आयोजित की जाए। 15 दिवस में 98 प्रतिशत टीकाकरण पूर्ण किया जा सके, इसके लिए कार्ययोजना तैयार की जाये। जिन एएनएम द्वारा टीकाकरण सत्र स्थल पर टीकाकरण के नियमों का पालन नहीं किया जा रहा है, उन पर अनुशासनात्मक कार्यवाही प्रस्तावित की जाये।

पिलाई जाये दो बूंद पोलियो खुराक

बैठक में ग्लोबल पोलियो दिवस का आयोजन प्रत्येक स्वास्थ्य संस्थाओं में करने के निर्देश दिये। नवजात शिशुओं को दो बूंद पोलियों खुराक पिलाई जाये। यूविन आधारित सर्टिफिकेट वितरण किए जाए। यूविन पोर्टल पर अपडेशन कर पंजीयन चेक करें, बर्थ डोज का महत्व स्टाफ नर्स एवं बच्चों के अभिभावकों को अवश्य बतायें। तम्बाकू नियंत्रण कार्यक्रम अंतर्गत की समीक्षा के दौरान स्कूल के बच्चों के बैंग में सिगरेट एवं तम्बाकू तो नहीं हो, चेक किया जाए। कोटपा 2003 एक्ट के नियमानुसार तहत तम्बाकू के सेवन करने वाले व्यक्तियों पर चालानी कार्यवाही की जाए। अनुविभागीय राजस्व अधिकारी की अध्यक्षता में समस्त खण्ड चिकित्सा अधिकारियों द्वारा तम्बाकू नियंत्रण कार्यक्रम अंतर्गत प्रतिमाह बैठक आयोजित की जाये। क्षय नियंत्रण कार्यक्रम के अंतर्गत टीबी वैक्सीनेशन की उपलब्धि कम पाए जाने पर त्यौहार पश्चात के दिवसों मे महाअभियान आयोजित करने के लिए कार्ययोजना तैयार की जाए और शत प्रतिशत टीबी वैक्सीनेशन कराया जाए। बैठक में अपर कलेक्टर श्रीमती अंजली शाह, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. आशीष प्रकाश सिंह, सिविल सर्जन, समस्त बीएमओ, महिला बाल विकास अधिकारी, जिला आयुष अधिकारी एवं स्वास्थ्य एवं महिला बाल विकास विभाग और जिला व ब्लॉक स्तरीय अधिकारी मौजूद थे।

सदस्यता अभियान पूर्ण होने पर कैबिनेट मंत्री ने जताया हर्ष

हरिभूमि न्यूज- नरसिंहपुर। भारतीय जनता पार्टी के सदस्यता अभियान के तहत नरसिंहपुर विधानसभा क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की गई है। क्षेत्र में 100 प्रतिशत सदस्यता का लक्ष्य पूरा किया गया है, जिसे पार्टी के संगठनात्मक विस्तार के लिए एक बड़ी सफलता माना जा रहा है। इस अभियान के सफल समापन पर कार्यकर्ताओं और स्थानीय नेताओं के बीच उत्साह देखा जा रहा है। कैबिनेट मंत्री एवं नरसिंहपुर विधानसभा के विधायक प्रह्लाद सिंह पटेल ने इस अवसर पर सभी कार्यकर्ताओं को बधाई दी और उनके समर्पण की सराहना की उन्होंने कहा कि भाजपा का सदस्यता अभियान केवल संख्या बढ़ाने का कार्य नहीं है, बल्कि यह पार्टी के मूल्यों और विचारधारा को जन-जन तक पहुंचाने का एक महत्वपूर्ण माध्यम है श्री पटेल ने कहा कि यह उपलब्धि कार्यकर्ताओं की मेहनत, टीम वर्क और संगठन के प्रति उनकी प्रतिबद्धता का परिणाम है उन्होंने आगे कहा कि नरसिंहपुर की जनता का भाजपा पर विश्वास और समर्थन इस सदस्यता अभियान की सफलता का मुख्य कारण है भाजपा के इस सदस्यता अभियान का उद्देश्य नए कार्यकर्ताओं को पार्टी से जोड़ना और पार्टी के संगठन को जमीनी स्तर पर मजबूत करना है पार्टी ने पूरे राज्य में इस अभियान को जोर-शोर से चलाया है, और नरसिंहपुर विधानसभा क्षेत्र में प्राप्त लक्ष्य का 100ः सदस्यता हासिल होना इस बात का संकेत है कि पार्टी के प्रति लोगों का आकर्षण बढ़ रहा है भाजपा के स्थानीय नेतृत्व ने भी इस अभियान को सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई इस अवसर पर पूर्व राज्यमंत्री जालम सिंह पटेल ने कहा कि नरसिंहपुर विधानसभा में इस तरह की उपलब्धि पहली बार देखी गई है, जो आने वाले चुनावों में पार्टी के लिए सकारात्मक संकेत है। उन्होंने यह भी कहा कि यह सफलता केवल शुरुआत है,और पार्टी भविष्य में और भी मजबूत होकर उभरेगी। इस प्रकार, भाजपा का सदस्यता अभियान नरसिंहपुर विधानसभा में न केवल संगठनात्मक दृष्टि से बल्कि राजनीतिक रूप से भी पार्टी को और अधिक सशक्त करेगा उक्त जानकारी विधायक मीडिया प्रभारी वैभव नेमा दी।

एंबुलेंस से लाई जा रही शराब, 2 आरोपी गिरफ्तार, 45 पेटी जब्त

हरिभूमि न्यूज-नरसिंहपुर।

गत दिवस थाना क्षेत्र करेली पुलिस द्वारा अवैध कारोबारियों पर कार्रवाई करते हुये 45 पेटी शराब के साथ दो आरोपी गिरफ्तार किये गये। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार जिले में जुआ, सट्टा, अवैध मादक पदार्थ के व्यापार, अवैध शराब के कारोबार पर पूर्णतया प्रतिबंध लगाने, गुंडे एवं बदमाशों की धरपकड़ एवं अपराध तथा अपराधियों पर पूर्णतः नियंत्रण हेतु पुलिस अधीक्षक श्रीमती मृगाखी डेका के के निर्देशन में जिले में अभियान चलाया जाकर जिले के विभिन्न थानों में लगातार धरपकड की कार्यवाही की जा रही है। बीती रात थाना करेली पुलिस को मुखबिर के माध्यम से सूचना मिली कि एम्बुलेंस क्रमांक एमपी-20-डीए-0531 के माध्यम से गाडरवारा से अत्यधिक मात्रा में अवैध शराब आ रही है जो एंबुलेंस मे शराब की पेटी भरकर नरसिंहपुर तरफ जा रही है सूचना पर तत्काल कार्यवाही करते हुए ग्राम करपगांव में बस स्टैंड तिराहा पर स्टाफ की मदद से नाका बंदी की गई जो दौरान नाका बंदी के एम्बूलेन्स क्रमांक एमपी-20-डीए-0531 गाडरवारा तरफ से आती दिखी जिसे रोक कर चैक किया गया जिसमें आरोपी विजय पिता नरेन्द्र श्रीवास उम्र 40 साल निवासी, बरगी कालोनी नरसिंहपुर एवं बबलू पिता काशीराम ठाकुर उम्र 39 साल निवासी, नकटुआ थाना स्टेशन गंज के कब्जे में एंबुलेंस के अंदर 45 नग पेटी रखी पायी गयी जिन्हे खोलकर चेक किया गया जिसमें देशी मदिरा मसाला के शील बंद पाव प्रत्येक पाव मे 180-180 एम एल शराब होना पाई गई। प्रत्येक कार्टून में 50, 50 पाव जुमला 2250 पाव (405 बल्क लीटर) देशी मदीरा मसाला कीमती करीब 2,25000 रुपये की मौके पर जप्त कर कब्जा में लिया गया एवं आरोपियों के विरुध्द थाना करेली में अपराध क्रमांक 931/24 धारा 34 (2) आबकारी एक्ट का पंजीबध्द किया गया है। उक्त प्रकरण में एक आरोपी शैलेन्द्र पटेल जो मौके से फरार हो गया है जिसे जल्द ही गिरफ्त में ले लिया जाएगा उक्त आरोपी 02 माह पूर्व में भी आबकारी एक्ट के तहत धारा 34(2) के प्रकरण में गिरफ्तार किया गया था। उक्त आरोपी की पतारसी एवं मशरूका बरामदगी में अनु. अधिकारी पुलिस, नरसिंहपुर, श्रीमति मोनिका तिवारी के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी निरीक्षक सुभाष चंद्र बघेल, उनि लालमोहन सिंह दीवान, सउनि शिशुपाल चैधरी, प्रधान आरक्षक शेख मंजूर, वरिष्ठ आरक्षक अमित यादव, आरक्षक सुदीप ठाकुर, आरक्षक अभिषेक पटेल, आरक्षक रिषभ दास की सराहनीय भूमिका रही।

जादू नहीं विज्ञान है जिला स्तरीय प्रतियोगिता संपन्न

हरिभूमि न्यूज- नरसिंहपुर।

कलेक्टर श्रीमती शीतला पटले के मुख्य आतिथ्य में विज्ञान प्रदर्शनी और विज्ञान के प्रति जागरूकता अभियान के अंतर्गत जादू नहीं विज्ञान है समझना व समझाना आसान है जिला स्तरीय प्रतियोगिता समापन कार्यक्रम पीजी कॉलेज नरसिंहपुर के ऑडिटोरियम में हुआ। कार्यक्रम में कलेक्टर श्रीमती पटले ने कहा कि शिक्षा जगत समाज में फैले अंधविश्वास को छात्र- छात्राओं एवं शिक्षकों के माध्यम से दूर करने में बहुत बड़ी एवं महत्वपूर्ण भूमिका है। श्रद्धा और भय मिलकर अंधविश्वास को जन्म देती, जिसे ज्ञान से दूर किया जा सकता है। अंधविश्वास से कई लोग अपनी जान भी गवां देते हैं। अंधविश्वास के चक्कर में आपराधिक घटनायें भी होती हैं। उन्होंने विद्यार्थियों से कहा कि वे जिज्ञासु बने, प्रश्न करना सीखें, क्योंकि प्रश्न करना विज्ञान की पहली सीढ़ी है। जीतने का कोई अंत नहीं होता, आप हमेशा जीतते रहें। विकासखंड स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले 30 हाई स्कूल एवं हायर सेकेण्डरी विद्यालय के कक्षा नवमी व दसवीं के कुल 60 विद्यार्थियों ने अंधविश्वास को दूर करने में जादू नहीं विज्ञान की नाटिका प्रस्तुत किया। साथ ही विज्ञान क्विज प्रतियोगिता में भी सहभागिता की। विज्ञान मेले में ष्जादू नहीं विज्ञान है समझना व समझाना आसान है लघु नाटिका में सीएम राइज विद्यालय नरसिंहपुर ने प्रथम, बीटीआई गाडरवारा ने द्वितीय, उत्कृष्ट विद्यालय नरसिंहपुर ने तृतीय, हायर सेकेण्डरी स्कूल सिंहपुर बड़ा ने चैथा व शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय केरपानी ने पांचवा स्थान प्राप्त किया। कार्यक्रम में अतिथियों ने छात्र- छात्राओं व मार्गदर्शी शिक्षकों को स्मृति एवं प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया। इस अवसर पर नगर पालिका उपाध्यक्ष अजीत सिंह ठाकुर, जिला ओलंपिक संघ के अध्यक्ष अजय प्रताप सिंह पटेल, प्राचार्य सतीश दुबे, जिला परियोजना अधिकारी डॉ. आरपी चतुर्वेदी, विकासखंड शिक्षा अधिकारी व सहायत संचालक सुश्री प्राशी अग्रवाल, जिला सहायक विज्ञान अधिकारी समीर त्यागी, विकासखंड विज्ञान अधिकारी प्रीतम सिंह पटेल, तरुण मालवीय, राकेश श्रीवास, ओमप्रकाश कौरव, केके राजोरिया, डॉ. फिरोज खान, बलराम विश्वकर्मा, सीएम राइज प्राचार्य प्रभात मिश्रा, अन्य प्राचार्य व विद्यार्थी मौजूद थे। कार्यक्रम का संचालन एपीसी दीपक अग्निहोत्री व रामनरेश रावत व आभार जिला विज्ञान अधिकारी प्राचार्य राजीव किशोर श्रीवास्तव ने व्यक्त किया। निर्णायक भूमिका में सेवानिवृत्त प्राचार्य डॉ. आरएस शर्मा, आरपी शर्मा, बीपी मालवीय, जीडी गढ़ेवाल, जी के चैधरी ने निभाई।

आयुर्वेद व स्वास्थ्य कल्याण के तहत कार्यक्रम का आयोजन

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर।

गत दिवस आयुष विभाग द्वारा धनवंतरी दिवस के उपलक्ष्य में आयुर्वेद और कार्यस्थल पर स्वास्थ्य कल्याण पर जिले के सभी ब्लॉक में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिला आयुष अधिकारी डॉ. सुरत्ना सिंह चैहान ने बताया कि कार्यक्रम के माध्यम से शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य के लिए आयुर्वेद के सिद्धांत, कार्यस्थल पर आम स्वास्थ्य समस्यायें, आयुर्वेदिक तकनीक के माध्यम से थकान का प्रबंध, ऊर्जा के स्तर को बढ़ाना, उत्पादकता बढ़ाना, ध्यान और योग के माध्यम से तनाव संबंधी नवाचारों का क्रियान्वयन किया गया। कार्यक्रम के लिए डॉ. नमिता सोनी को नोडल अधिकारी बनाया गया है। कार्यक्रम का आयोजन बालक उच्चतर माध्यमिक शाला गाडरवारा, उत्कृष्ट विद्यालय चीचली, हाई स्कूल बिलहरा, चांवरपाठा, पुलिस स्टेशन गोटेगांव, कृषि उपज मंडी करेली, पीएम श्री स्कूल एवं पुलिस कंट्रोल रूम में आयोजित किये गये। कार्यस्थल पर तनाव मुक्ति प्रबंधन के लिए वाय ब्रेक व स्ट्रेस को कम करने के लिए डेमोंस्ट्रेशन सूक्ष्म व्यायाम योग व स्ट्रैचिंग करवाई गई। कार्यक्रम में सभी ब्लॉक के आयुर्वेद चिकित्सा अधिकारी एवं पैरामेडिकल स्टाफ व योग शिक्षक मौजूद थे।

आनलाइन खरीददारी से आधी रह गई ग्राहकी

पिछली बार की अपेक्षा इस बार ग्राहकी का अभाव

तेंदूखेडा

हर साल की अपेक्षा इस बार ग्राहकी का अभाव देखा जा रहा है। वहीं बाजार में सन्नाटा सा पसरा हुआ है। मोबाइल ,कपड़ा ,जूता , इलेक्ट्रॉनिक दुकानों पर काफी असर बना हुआ है, जिसका प्रमुख कारण आनलाइन खरीददारी माना जा रहा है, प्रति दिन तेंदूखेडा क्षेत्र में तीन से चार लाख रुपये की खरीददारी आनलाइन हो रही है । घर बैठे सामग्री पहुँच रही है, जिसका प्रभाव तेंदूखेडा के अन्य बाजार पर भी पड रहा है। दुकानदारों में मायूसी भरा माहौल बना हुआ है, वहीं दूसरी तरफ तेंदूखेडा क्षेत्र पूरी तरह से कृषि पर आश्रित क्षेत्र है। मौसम की अनुकूलता ना होने के कारण इस बार वैसे भी सफाई पुताई का काम लेट शुरू हो सका है। किसानों की किसानी भी अच्छी है। अपेक्षाकृत सोयाबीन फसल और मक्का फसल तो आई है। लेकिन जिंसों के अपेक्षाकृत भाव ना मिल पाने के ओने पोने दामों में बेचने मजबूर बना हुआ है। भाव के चक्कर में संपन्न कृषकों ने उपज सहेज कर रख ली है। आन लाइन खरीददारी को लेकर कुछ व्यापारी वर्ग ने अपनी अपनी प्रतिक्रियाओं के माध्यम से विचार साझा किये हैं।

बाजार को ग्राहक का इंतजार

इलेक्ट्रॉनिक व्यापारी महीष मोदी का कहना है कि आनलाइन खरीददारी से बाजार में सन्नाटा छाया हुआ है जो सामग्री हम खरीद कर ला रहें हैं वह ग्राहक को घर बैठें मिल रही है, कूलर पंखे इन्डेक्सन मिक्सी वांशिग मशीन यहाँ तक की फ्रिज भी आनलाइन मंगवाये जा रहे हैं। हर साल दीपावली पर झालरों मालायें बल्ब बेंच लेते थे इस बार अन्य सालों की अपेक्षा चाइनीज मालाऐं बहुत कम हैं। त्यौहार के लिए मात्र आठ दिन ही शेष हैं लेकिन व्यापारी हाथ पर हाथ रखकर बैठा है। सरकार के द्वारा जो टेक्स वसूला जा रहा है उसे कम कर दिया जाना चाहिये।

कपड़ा ग्राहकी चलने की उम्मीद

कपड़ा व्यापारी निक्की अहिंसा और शुभम कोठारी बताते हैं कि पिछली साल की अपेक्षा इस बार अच्छी ग्राहकी चलने की उम्मीद है। क्योंकि इस बार नगद मूल्य की फसल किसानों के हाथ में है। लेकिन इस बार मौसम की प्रतिकूलता के चलते जहां किसान किसानी में जुटा हुआ है वहीं घरों की साफ सफाई भी काफी लेट हो रही है। वर्तमान में कपड़ा बाजार में ग्राहकी का अभाव बना हुआ है। आनलाइन खरीददारी से व्यापार पर विपरीत असर पड रहा है।अधिकांश युवा वर्ग अब मोबाइल फोन के जरिए मनपसंद डिजाइनर कपड़े पसंद करके आन लाइन मगा लेते हैं।

आनलाइन आ रहा चप्पल जूता

जूता चप्पल व्यापारी समीर खान बता रहे हैं कि 60 प्रतिशत व्यापार आनलाइन खरीददारी के चलते खत्म हो गया है। युवाओं द्वारा जूता चप्पल सीधे घर बैठे बुला लेते हैं स्थिति यह बनी हुई है कि किराये से दुकान लेकर बैठे दुकानदारों का किराया तक नहीं निकल पा रहा है।केवल किसान या फिर अन्य वर्ग जो आनलाइन खरीददारी नहीं कर सकते हैं वे ग्राहक ही जूते चप्पल खरीद रहें हैं।

मोबाइल फोन तो आनलाइन ही आ रहे

मोबाइल विक्रेता सुम्मी कठल बताते हैं कि आनलाइन खरीददारी का सबसे बड़ा प्रभाव मोबाइल दुकानों पर पडा है। स्थिति यह है कि आनलाइन खरीददारी के चलते दीपावली त्यौहार पर हम सभी व्यापारी हाथ पर हाथ रख कर बैठें है । मात्र 30 प्रतिशत ही व्यापार रह गया है, आज कल हर वर्ग घर बैठे मोवाइल बुला लेते हैं। कुछ अन्य सामग्री ही छुटपुट बेंचकर काम चल रहा है बाकी तो सब आनलाइन खरीददारी से चल रहा है।

किसानों ने की सड़क निर्माण की मांग

तेंदूखेड़ा चांवरपाठा विकास खंड के अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत सर्रा बंधी से इटुआ टपरिया खापरखेड़ा तरफ तथा सर्रा से खेरुआ मदनपुर तरफ किसानों को खेतों तरफ सुदूर सड़क निर्माण की मांग की है। कृषकों का कहना है कि अक्सर कर कृषि उपज लाने ले जाने में भारी परेशानियों का सामना करना पड़ता है। यदि दोनों ग्रामों में मात्र एक एक किलोमीटर की सुदूर सड़क बन जाती है तो किसानों को आवागमन में सुविधा होगी। तथा बंधी सर्रा से जुड़े अनेक ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों को भी आवागमन में सुविधा होगी स्कूल जाने वाले स्कूली बच्चों को भी वर्तमान में कीचड़ युक्त मार्ग से पैदल निकलना पड़ता है।इन सड़कों को बन जाने काफी सुविधा होगी।